दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-173, भोपाल, रविवार 08 मई 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

सुविचार

"ऐसा व्यक्ति जिसने कभी आशा नहीं की, वह कभी निराश भी नहीं होता है।" - विलियम शेक्सपियर

बद्रीनाथ धाम के कपाट आज खुलेंगे

हरिद्वार। उत्तराखंड में बद्रीनाथ धाम के कपाट कल से आम लोगों के लिए खोल दिए जाएंगे। धाम की सजावट का काम जारी है। प्रति वर्ष की तरह इस बार भी 12 क्विंटल फूल सजाने के लिए लाए गए हैं।

लाउडस्पीकर पर आदेश का पालन नहीं करने पर दो केस

मुंबई। लाउडस्पीकर मामले में मुंबई पुलिस एक्शन में आ गई है। पुलिस ने लाउडस्पीकर पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन नहीं करने पर दो मामले दर्ज किए हैं।

एनएसयूआइ के नेताओं से मिले राहुल गांधी

हैदराबाद। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज हैदराबाद की चंचलगुडा जेल में एनएसयूआइ के प्रदेश अध्यक्ष वेंकट बालमूर और एनएसयूआई के 18 अन्य नेताओं से मुलाकात की। वेंकट और अन्य को उस्मानिया विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के बाहर विरोध प्रदर्शन करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

ओडिशा में चक्रवात के चलते भारी बारिश की चेतावनी

नईदिल्ली। ओडिशा में चक्रवात के चलते 10 मई को भारी बारिश की संभावना जताई गई है। इसके चलते चार जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग का कहना है कि चक्रवात अब दक्षिण अंडमान सागर से सटे दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना हुआ है। इसके 10 मई की शाम तक उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने की उम्मीद है।

तजिंदर बग्गा गिरफ्तारी मामले की मंगलवार को होगी सुनवाई

नईदिल्ली। तजिंदर बग्गा गिरफ्तारी मामले में पंजाब सरकार द्वारा कल पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट में दायर एक याचिका पर सुनवाई मंगलवार तक के लिए टाल दी गई है। दिल्ली पुलिस की ओर से एएसजी सत्य पाल जैन ने कहा कि आज उस मामले को मंगलवार 10 मई तक के लिए स्थगित कर दिया गया है क्योंकि यह एक अलग बेंच का मामला था।

घरेलू गैस सिलेंडर 50 रुपए महंगा हुआ

बिहार में सिलेंडर की कीमत 1,100 रुपए से ऊपर, 47 दिन में हर दिन 2 रुपए से ज्यादा बढ़े दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू गैस सिलेंडरों के दाम में शनिवार को 50 रुपए का इजाफा हुआ है। इसके बाद दिल्ली में नई कीमत 999.50 रुपए हो गई है। इसके अलावा इस बढ़ोतरी के बाद बिहार में गैस सिलेंडर के दाम 1,100 रुपए के पार निकल गए है। यहां सुपौल में ये 1104.50 रुपए का मिल रहा है।

इससे पहले मार्च 2022 में भी सिलेंडर के दाम में 50 रुपए की वृद्धि की गई थी। हालांकि, कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में कोई इजाफा नहीं हुआ है। 1 मई को कॉमर्शियल सिलेंडरों के दाम 102 रुपए बढ़े थे। इसके बाद इनकी कीमत 2,355 रुपए हो गई।

पांच राज्यों के चुनाव खत्म होते ही महंगाई की मार

पांच राज्यों के चुनाव खत्म होने के बाद तेल कंपनियों ने 22 मार्च को घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में 50 रुपए का इजाफा किया था। इससे बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 14.2 किलो का बिना सब्सिडी वाला सिलेंडर 1 हजार रुपए के ऊपर निकल गया था।

1 साल में 190.50 रुपए महंगा हुआ गैस सिलेंडर

दिल्ली में 1 मई 2021 को घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 809 रुपए थी, जो अब 999.50 रुपए पर पहुंच गई है। यानी बीते एक साल में घरेलू गैस सिलेंडर कीमत 130.50 बढ़ी है। वहीं इस पर मिलने वाली सब्सिडी भी खत्म कर दी गई है। पिछले 8 सालों में घरेलू गैस सिलेंडर (14.2 किलोग्राम) की कीमत दोगुनी होकर 999.50 रुपए प्रति सिलेंडर हो गई है। 1 मार्च 2014 को 14.2 किलो के घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 410.5 रुपए थी जो अब 999.50 रुपए है।

1 मई को 102 रुपए महंगा किया था कॉमर्शियल सिलेंडर

इससे पहले महीने के पहले दिन यानी 1 मई को 19 किलो वाले कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत 102 रुपए बढ़ाई थी। राजधानी दिल्ली में अब नए सिलेंडर की कीमत 2,355 रुपए है। वहीं इससे पहले कॉमर्शियल सिलेंडरों के दाम 1 अप्रैल को बढ़े थे।

5 साल बाद अल्पसंख्यक समुदाय के किसी जज की नियुक्ति

सुप्रीम कोर्ट में 34 जजों का कोटा पूरा केंद्र ने दो नए नाम मंजूर किए

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने शनिवार को सुप्रीम कोर्ट के 2 नए जजों की नियुक्ति पर मुहर लगा दी है। गुवाहाटी हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुधांशु धूलिया और गुजरात हाईकोर्ट के जज जमशेद बी पारदीवाला को जज के तौर पर नियुक्त किया गया है। राष्ट्रपति ने दोनों जजों के नियुक्ति पर साइन भी कर दिए हैं। 5 मई को चीफ जस्टिस एनवी रमना की अध्यक्षता वाली कोलेजियम ने केंद्र को दोनों जजों के नाम की सिफारिश की थी। दोनों जज अगले हफ्ते नए पद की शपथ लेंगे, अब सर्वोच्च अदालत नवंबर 2019 के बाद अपनी 34 जजों की क्षमता को पूरा कर लेगा। जस्टिस पारदीवाला सुप्रीम कोर्ट में नियुक्त होने वाले चौथे पारसी होंगे। सुप्रीम कोर्ट में 5 साल बाद किसी अल्पसंख्यक समुदाय के जज की नियुक्ति हुई है। वहीं, जस्टिस धूलिया उत्तराखंड हाई कोर्ट से सुप्रीम कोर्ट पहुंचने वाले दूसरे जज होंगे।

अगले चीफ जस्टिस होंगे जस्टिस पारदीवाला: जस्टिस पारदीवाला देश के अगले चीफ जस्टिस भी हो सकते हैं। मई 2028 में वो चीफ जस्टिस बनाए जा सकते हैं। चीफ जस्टिस के तौर पर उनका कार्यकाल सवा दो साल का होगा। इससे पहले फरवरी 2017 में अल्पसंख्यक समुदाय से जस्टिस सैयद अब्दुल नजीर की नियुक्ति हुई थी।

बीआरओ के स्थापना दिवस में बोले राजनाथ सिंह

देश की सीमा के पहरेदारों को सुविधाएं देना हमारी प्राथमिकता

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के 63वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम में अपना संबोधन भी दिया।

राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत की सीमाओं की रक्षा करने वालों को ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं मुहैया कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों का विकास सुनिश्चित करना सरकार की व्यापक रक्षा रणनीति का एक प्रमुख हिस्सा है।

राजनाथ ने आगे कहा, आज बीआरओ मित्र राष्ट्रों में भी अपनी सेवाएं देकर उन्हें हमसे जोड़ने का काम भी कर रहा है। पिछले 6 दशकों से बीआरओ सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास का एक मजबूत स्तंभ बना हुआ है। 1960 में 2 प्रोजेक्ट से बढ़कर अब ये 18 प्रोजेक्ट तक पहुंच गया है। हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता उन लोगों को ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं मुहैया कराना है जो हमारी सुरक्षा के लिए दिन रात काम कर रहे हैं, जो इस देश की सीमा के पहरेदार हैं।

उत्तरी क्षेत्र में चीन की मौजूदगी से अवगत

राजनाथ ने कहा कि हम उत्तरी क्षेत्र में चीनी उपस्थिति से अवगत हैं। वे कुशल निर्माण तकनीकों के कारण पहाड़ी क्षेत्रों में तेजी से पहुंचने की कोशिश करते हैं। बीआरओ को समानांतर में काम करना चाहिए और अपनी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करना चाहिए। सरकार इस दिशा में बीआरओ को सहयोग दे रही है।

बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए बीआरओ की भी तारीफ

रक्षामंत्री ने देश के सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए बीआरओ की भी सराहना की। उन्होंने पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास का उदाहरण देते हुए कहा कि यह अब देश के समग्र विकास के लिए ÷नया प्रवेश द्वार÷ बन गया है।

नक्सलियों से बातचीत पर सीएम की दो टूकःभूपेश बघेल बोले

पहले देश के संविधान पर विश्वास जताएं नक्सली, फिर हो सकती है वार्ता

रायपुर/सूरजपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नक्सलियों से बातचीत के मामले में दो टूक कहा है कि नक्सली पहले देश के संविधान पर विश्वास व्यक्त करें। उसके बाद उनसे किसी भी मंच तक बातचीत की जा सकती है। उन्होंने कहा, राज्य सरकार की योजनाओं ने नक्सल प्रभावित क्षेत्र में आदिवासियों का दिल जीता है। अब लोग वहां सड़के बनाने और कैंप खोलने की मांग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि राज्य सरकार की नीति से अब नक्सली एक छोटे से क्षेत्र में सिमटकर रह गए हैं।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल शनिवार को प्रतापपुर में हुई प्रेस वार्ता में प्रेस कर्मियों के सवालों का जवाब दे रहे थे। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रतापपुर में कृषि महाविद्यालय खोलने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा, यहां पर अपर कलेक्टर का लिंक कोर्ट भी खोला जाएगा। इससे पहले अफसरों की समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने भूजल के गिरते स्तर पर चिंता जताई। उन्होंने कहा, रायपुर शहर के बाद सूरजपुर पहला जिला है जहां 800 फीट में पानी नहीं है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, भूजल में पानी की कमी को दूर करने पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। हेलिकॉप्टर से आते समय मैंने देखा कि एक नाला सूख गया है। वहीं पर जिस नाले का ट्रिटमेंट हुआ था उसमें पानी बचा हुआ था। उन्होंने नरवा के विकास के में तेजी लाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा, प्रतापपुर के सरकारी भवनों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था अनिवार्य रूप से होनी चाहिए।

राजस्व शिकायतों के लिए कॉल सेंटर शुरू करने के निर्देश

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजस्व विभाग की शिकायतों पर सख्ती दिखाई है। मुख्यमंत्री ने प्रतापपुर में अधिकारियों के कामकाज की समीक्षा के बाद उन्होंने प्रेस से बात की। उन्होंने कहा, राजस्व विभाग के शिकायतों की सुनवाई के लिए ऑनलाइन कॉल सेंटर खोले जाएंगे। अवैध खनन की शिकायतों पर कार्रवाई की जाएगी।

शिकायतों पर कार्रवाई के भी निर्देश

समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा, जिन लोगों को 13 दिसम्बर 2005 से पहले वन भूमि पर कब्जा है उनको उसका पट्?टा मिल जाना चाहिए। राजस्व विभाग की शिकायत अधिक है। उसमें भी पटवारी की शिकायतें अधिक हैं। उनको दूर किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा, अगर किसी गरीब को राशन कार्ड नहीं मिल पा रहा है तो यह हमारी गलती है। समस्या है तो वरिष्ठ अधिकारियों को बताइए। जनता के प्रति जवाबदेह बनिए। लोगों से उनकी भाषा में बात करिए, उनको अच्छा लगेगा। गुड गवर्नेंस का यही तरीका है। मुख्यमंत्री ने भटगांव विधानसभा के कुदरगढ़ में एक महुआ पेड़ के नीचे चौपाल लगाई। इसमें पहुंचे गड़ईपारा निवासी हरीलाल ने बताया उनके गांव में 25 परिवार रहते हैं। राशन के लिए उन्हें 16 किमी पहाड़ चढ़कर कुदरगढ़ आना पड़ता है। इसमे 2.30 घंटे का समय लगता है। अगर रास्ता खराब हुआ तो दूसरे रास्ते से 35 किमी चलना पड़ता है। उसमें नदी-नाले भी आते हैं। उनकी मांग है उनके गांव को उनके नज़दीकी पंचायत घुडई से जोड़ा जाये जहां से उन्हे राशन लेना आसान हो जायगा।

मेरठ में बोले-केंद्रीय मंत्री वीके सिंह, देश में यदि आम आदमी पार्टी की सरकार होती तो श्रीलंका से भी बुरा हाल होता

मेरठ, एजेंसी। मेरठ के शताब्दी नगर स्थित माधव कुंज में आयोजित भारतीय परिवहन मजदूर महासंघ के 50 वें स्वर्ण जयंती वर्ष के अवसर पर आयोजित अधिवेशन में पहुंचे केंद्रीय परिवहन राज्य मंत्री जनरल डॉ वीके सिंह ने जहां मजदूर महासंघ के हितों को लेकर अपनी बात कही, वहीं पत्रकारों से बातचीत करते हुए आम आदमी पार्टी पर भी जमकर निशाना साधा। केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि अगर देश में आम आदमी पार्टी की सरकार होती तो श्रीलंका से खराब

हालत हमारे देश की होती। कार्यक्रम में परिवहन राज्यमंत्री दयाशंकर सिंह ने मजदूर महासंघ के उत्थान के लिए कार्य करने की बात कही। साथ ही बेहतर करने के लिए सुझाव देने का आग्रह भी किया। भारतीय परिवहन मजदूर महासंघ के अधिवेशन में केंद्रीय राज्य मंत्री जनरल डॉ. वीके सिंह ने कहा कि मजदूर महासंघ देश के विकास के लिए काफी कुछ कर रहा है। ऐसे में केंद्र व राज्य सरकार भी महासंघ के विकास के लिए हर संभव प्रयास करेगी। अपने संबोधन में केंद्रीय राज्य मंत्री ने मजदूरों के लिए चलाई जा रही की योजनाओं का भी जिक्र किया। संबोधन के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए डॉ. वीके सिंह ने कहा कि वर्तमान में जिस तरह के हालात श्रीलंका के हैं, वैसे ही हालत भारत की भी होती, अगर देश में आम आदमी पार्टी की सरकार होती। क्योंकि आम आदमी पार्टी ने सत्ता पाने के लिए संसाधनों का दुरुपयोग कर तमाम तरह के बड़े वादे जनता से किए और छूट प्रदान कर दी। जबकि देश को चलाने के लिए यह सब नहीं होना चाहिए था। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब की हालत भी ठीक नहीं है और वहां भी आम आदमी पार्टी की सरकार है।

टाटा स्टील के जमशेदपुर प्लांट में ब्लास्टः धमाके की आवाज से दहशत, खाली कराया गया परिसर

जमशेदपुर, एजेंसी। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम में स्थित टाटा स्टील के जमशेदपुर प्लांट में अचानक आग लग गई। शनिवार की सुबह करीब 10.20 बजे जोरदार ब्लास्ट हुआ, जिससे प्लांट में आग लग गई। कंपनी के कोक प्लांट के बैटरी नंबर 6 में यह हादसा हुआ। इसमें गैस रिसाव होने लगा। घटना के बाद पूरे एरिया में अफरा-तफरी मच गई। इसमें 2 ठेका कर्मचारी जख्मी हुए हैं। ब्लास्ट इतना जोरदार था कि आरएमएम, सिंटर प्लांट वन और टू में भगदड़ मच गई। सारे कर्मचारियों को आपात हालात में बाहर निकाला गया। इसके बाद कर्मचारियों को

सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। आसपास के परिसर को खाली करा दिया गया।

कंपनी प्रबंधन ने कहा कि कोक प्लांट की बैटरी में विस्फोट हुआ था। फायर टेंडर तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। 2 संविदा कर्मचारियों को मामूली चोटें आई हैं और एक कर्मचारी ने सीने में दर्द की शिकायत की है, उनकी हालत स्थिर है। वहीं झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने घटना को लेकर कहा कि जमशेदपुर में टाटा स्टील प्लांट में ब्लास्ट होने की खबर मिली है। जिला प्रशासन, टाटा स्टील प्रबंधन के साथ सामंजस्य बनाकर घायलों के त्वरित इलाज हेतु कार्रवाई कर रहा है। ब्लास्ट इतना जोरदार था कि आरएमएम, सिंटर प्लांट वन और टू में भगदड़ मच गई। सारे कर्मचारियों को आपात हालात में बाहर निकाला गया जहां से उनको सुरक्षित स्थान ले जाया गया।

माँ पीताम्बरा की जयंती अगले वर्ष ऐसी मनेगी की पूरा विश्व देखेगा : डॉ. मिश्र

13 करोड़ 83 लाख से सीतासागर के सौन्दर्यीकरण का किया भूमिपूजन

दतिया। शासन के गृह, जेल, संसदीय कार्य, विधि एवं विधायी कार्य विभाग के मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र ने माँ पीताम्बरा माँई के प्राकट्य उत्सव के सफल आयोजन हेतु रथयात्रा समिति के सदस्यों का सम्मान करते हुए समिति के सदस्यों से आव्हान किया कि माँ पीताम्बरा माँई की अगले वर्ष जयंती ऐसी मनाई जायेगी जिसे पूरे विश्व की जनता देख सके और गिनीज बुक में दतिया का नाम दर्ज हो सके। गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र शनिवार को वृन्दावनधाम दतिया में माँ पीताम्बरा रथ यात्रा समिति के सदस्यों के सम्मान समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। गृह मंत्री ने इस मौके पर 13 करोड़ 83 लाख की लागत से सीतासागर दतिया के सौन्दर्यीकरण कार्य का भूमिपूजन किया। गृह मंत्री ने समिति के संरक्षक के रूप में सदस्यों को शाल एवं पुष्पहारों से सम्मान करते हुए कहा कि माँ पीताम्बरा जयंती के सफल आयोजन में समिति के सदस्यों द्वारा प्रत्यक्ष एवं दतिया वासियों ने अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देकर पुण्य के भागीदार बने। उन सभी के प्रति में

आभारी हूँ। यह सब माँ पीताम्बरा की कृपा से ही संभव हो सका। दतिया में पहलीवार श्रद्धालु के रूप में एकत्रित अपार जन समुदाय ने इतिहास रच दिया। उन्होंने लोगों से कहा कि अगले वर्ष इससे भी बेहतर आयोजन हो सके इसके लिए समिति को लोग सुझाव भी दे। उन्होंने कहा कि माँई के रथ के साथ दतिया के विकास का रथ भी निरंतर चलता रहेगा। जिससे दतिया विकास के मामले में निरंतर आगे बढ़ता रहे।

12 लाख की आर्थिक सहायता

मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र ने आज सर्पदंश के तीन प्रकरणों में पीड़ित परिवारों को कुल 12 लाख की आर्थिक सहायता राशि के चैक प्रदाय किये। गृह मंत्री ने वृन्दावन धाम में सर्पदंश के तीन प्रकरणों में मृत्यु हो जाने पर मृतकों के परिजनों जिसमें भांसड़ा खुर्द की श्रीमती लीलाबाई पत्नि शौतान सिंह रावत को चार लाख की राशि, कुलैथ की श्रीमती पुष्पा पत्नि दर्शन लाल जाटव को चार लाख की राशि और बीकर की श्रीमती रंजना पत्नि महेश दांगी को 4 लाख की राशि का चैक प्रदाय किया।

लोगों से चर्चा कर सुनी समस्याएं

डॉ. नरोत्तम मिश्र ने राजघाट कालौनी निवास पर आज जिले के विभिन्न अंचलों से आए लोगों से वन-टू-वन चर्चा कर उनकी समस्याओं को पूरी गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए संबधितो को निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने दतिया निवास पर पार्टी कार्यकर्ताओं से भी वन-टू-वन चर्चा कर उनकी समस्याओं को भी सुना।

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री चौहान ने इन्दौर में हुए अग्निकांड में नागरिकों के निधन पर दुःख व्यक्त किया

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इंदौर के स्वर्ण बाग कॉलोनी में कल रात्रि शॉर्ट सर्किट से हुए हादसे में नागरिकों के असमय निधन का दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान और परिजन को यह गहन दुःख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है। उन्होंने अग्निकांड में घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मृतकों के परिजन को 4-4 लाख रूपए दिए जाएंगे। घटना की जाँच के आदेश दे दिए गए हैं।

प्रदेश अध्यक्ष ने इंदौर में सात लोगों के जिंदा जलने की घटना पर जताया शोक

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने इंदौर के स्वर्णबाग कॉलोनी में भीषण आग में जिंदा जलने की हृदय विदारक घटना में सात लोगों के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। प्रदेश अध्यक्ष ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

भू-अधिकार ऋण पुस्तिका ऑनलाइन प्राप्त करें किसानः गोविंद सिंह

भोपाल। राजस्व एवं परिवहन मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि किसानों और आम जनता को भू-अधिकार ऋण पुस्तिका प्राप्त करने के लिए अब पटवारी के पास जाने की जरूरत नहीं है। आम जनता की सुविधा के लिये भू-अधिकार ऋण पुस्तिका को ऑनलाइन कर दिया गया है। कोई भी व्यक्ति अपनी भू-अधिकार ऋण पुस्तिका को नजदीकी कियोस्क सेंटर अथवा कॉमन सर्विस सेंटर या स्वयं के एन्ड्रायड मोबाइल से निर्धारित शुल्क 10 रूपये अदा कर ले सकता है। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि प्रदेश की जनता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए राजस्व विभाग ई-तकनीक को बढ़ावा दे रहा है, ताकि किसानों एवं आमजन को तहसील एवं पटवारी के चक्कर न लगाने पड़े। उन्होंने कहा कि वर्षों पूर्व आमजन और किसानों को अपने खाते की नकल पाना कठिन कार्य था। जन-मानस की परेशानी को ध्यान में रखते हुए आजादी के 70 साल बाद राजस्व विभाग के नियमों में बदलाव कर जन-सुविधा से जुड़े अभिनव प्रयोग किए जा रहे हैं। श्री राजपूत ने जनता से अपील करते हुए कहा कि राजस्व महकमे द्वारा सुविधाजनक रूप से किए गए बदलाव का ई-तकनीक के माध्यम से लाभ उठाएँ और परेशानी से बचें। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा किसानों या आमजन को उनके खाते की खसरा, वी-1 एवं ऋण-पुस्तिका की प्रति वाट्सएप पर उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है।

इंदौर हादसे से सबक : शिफ्ट होगा कंट्रोल रूम

भोपाल में 52 मीटर ऊंची हाइड्रोलिक मशीन, 5 फायर फाइटर खरीदे जाएंगे

भोपाल

मध्यप्रदेश के इंदौर में दो मंजिला बिल्डिंग में आग लगने से 7 लोग जिंदा जल गए। इस हादसे ने सभी झंकझौर दिया है। भोपाल में भी हर रोज एवरेज 5 से 6 आगजनी की घटनाएं होती हैं, लेकिन आबादी के हिसाब से निगम के पास आग बुझाने के पर्याप्त इंतजाम नहीं है। फाइटर फाइटर गाड़ियां और हाइड्रोलिक मशीन की कमी है। इंदौर हादसे से सबक लेते हुए निगम अब 52 मीटर ऊंची हाइड्रोलिक मशीन और 5 फायर फाइटर खरीदेगा। वहीं, कंट्रोल रूम भी शिफ्ट करेगा।

हालांकि, हाइड्रोलिक और फायर फाइटर खरीदने के लिए निगम पहले से तैयारी कर रहा है। सभी संसाधन जल्दी आ जाए, इसमें तेजी लाई जाएगी। फायर ऑफिसर रामेश्वर नील ने बताया, नए संसाधन खरीदने के लिए पहले से प्रपोजल बन चुका है। जल्द ही हाइड्रोलिक और फायर फाइटर आएंगे। इसके बाद ऊंची बिल्डिंगों में लगी आग बुझाने में मदद मिलेगी।

93 लाख में खरीदेंगे फायर फाइटर्स

निगम 93 लाख रुपए से 5 फायर फाइटर्स खरीद रहा है। वहीं, करीब पांच करोड़ रुपए से 52 मीटर हाइड्रोलिक फाइटर खरीदने का प्रस्ताव है। पुराने शहर के फतेहगढ़ में मौजूद फायर स्टेशन कंट्रोल रूम को भी शिफ्ट किया जाएगा। नया कंट्रोल रूम तैयार किया जा रहा है।

अभी ये मौजूद है संसाधन

भोपाल में अभी 32 फायर फाइटर है। इनमें से 4 से 5 गाड़ियां रोज वीआईपी आयोजन में तैनात रहती हैं। न्यू मार्केट व आदमपुर छावनी में भी एक-एक गाड़ी अस्थायी फायर स्टेशन बनाकर तैनात की गई है। वहीं, 11 फायर स्टेशन है। मुख्य स्टेशन फतेहगढ़ कंट्रोल रूम है। 300 फायरकर्मी रोज आग बुझाने की मशक्कत करते हैं। कई बार 12-13 तक होती है आगजनी

शहर में गर्मी के दिनों में कई बार आगजनी की घटनाओं का आंकड़ा 12 से 13 तक पहुंच जाती है। 6 मई को 7 जगह पर आग की घटनाएं हुई थीं। आग को तत्काल काबू में ले लिया गया था।

किसी भी नगरीय निकाय में नहीं हो पेयजल की समस्या : भूपेन्द्र सिंह

पेयजल प्रोजेक्ट में देरी पर कांट्रेक्टर को टर्मिनेट/ब्लैक-लिस्ट करने के निर्देश

भोपाल

किसी भी नगरीय निकाय में पेयजल की समस्या नहीं होना चाहिए। जहाँ भी जरूरत हो पानी के टेंकर नागरिकों को से पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करें। इसके लिए बजट की कोई कमी नहीं है। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने यह निर्देश नगरीय निकायों में पेयजल व्यवस्था की समीक्षा के दौरान दिये। श्री सिंह ने कहा कि पेयजल परियोजनाओं में देरी करने वाले कांट्रेक्टर्स को टर्मिनेट अथवा ब्लैक-लिस्ट करें। श्री सिंह ने कहा कि जिन नगरीय निकायों में 2 दिन छोड़कर पानी दे रहे हैं, वहाँ दूसरे दिन और जहाँ एक दिन छोड़कर पानी दे रहे हैं, वहाँ प्रतिदिन पेयजल की आपूर्ति करें। उन्होंने कहा कि अमृत प्रोजेक्ट के कंसल्टेंट समय पर रिपोर्ट दें। पर्याप्त पानी के स्त्रोत भी चिन्हित करें। मंत्री श्री सिंह ने नगर निगम आयुक्त और मुख्य नगरपालिका अधिकारियों से अलग-अलग वीडियो काफ्रेंसिंग से बात कर पेयजल की स्थिति की जानकारी ली और जरूरी निर्देश दिये। उन्होंने पानखेडी (कालापीपल) में अमृत योजना के कार्य में देरी पर कंसल्टेंट और कांट्रेक्टर को ब्लैक-लिस्ट करने के निर्देश दिये। श्री सिंह ने अधीक्षण यंत्री को 2 दिन मण्डीदीप में कैंप कर पेयजल योजना की समीक्षा कर काम में तेजी लाने और पुराने कांट्रेक्टर को ब्लैक-लिस्ट करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुलताई में रेलवे लाइन के पास पाइप-लाइन डालने के संबंध में डीआरएम नागपुर से चर्चा की जाये।

ग्वालियर में 6 साल बाद प्रतिदिन पेयजल

आयुक्तनगर निगम ग्वालियर ने बताया कि ग्वालियर में 6 साल बाद एक अप्रैल 2022 से प्रतिदिन पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री सिंह ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा इसका अनुसरण अन्य निगम भी करें। उन्होंने कहा कि कटनी में पेयजल की आपूर्ति प्रतिदिन करने के समुचित प्रबंध करें। नगर परिषद चांद जिला छिंदवाडा के पेयजल परियोजना में धीमी प्रगति पर पुन टेंडर जारी करने के निर्देश दिये। नगर परिषद न्यूटन चिचली में भी प्रतिदिन पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था करें।

मुख्यमंत्री चौहान ने श्री रवीन्द्रनाथ टैगोर की जयंती पर किया नमन

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज कविवर श्री रवीन्द्रनाथ टैगोर की जयंती पर मुख्यमंत्री निवास सभाकक्ष में उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण कर नमन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने श्री टैगोर के योगदान का स्मरण भी किया। विधायक श्री हरि सिंह सप्रे उपस्थित थे।

सरोजिनी नायडू में वर्मी कम्पोस्टिंग विषय पर एक दिवसीय कार्यषाला का आयोजन'

भोपाल

सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्वषासी महाविद्यालय, षिवाजी नगर भोपाल में प्राणी शास्त्र विभाग द्वारा वर्मीकाम्पोस्ट विषय पर एक दिवसीय कार्यषाला का आयोजन किया गया, कार्यषाला के प्रथम सत्र म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के वारिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. राजेष सक्सेना द्वारा व्याख्यान किया गया तथा उनके द्वारा छात्राओं को स्वावलंबी बनाए जाने को अवगत कराया गया। द्वितीय सत्र में श्री मदन मोहन पाटीदार कुषल उद्यमी द्वारा वर्मीकाम्पोस्ट को तैयार करने व मार्केटिंग संबंधित विस्तृत जानकारी छात्राओं को प्रदान की गई। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. प्रतिभा सिंह ने छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना के साथ-साथ भविष्य में ऐसी कार्यषालाओं के आयोजन पर बल दिया। प्राणीषास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. नीरजा श्रीवास्तव ने पाठ्यक्रम की सफलता को दृष्टिगत रखते हुए आगामी सत्र से पाठ्यक्रम में सीट और बढ़ाने का निर्णय लिया गया। इस कार्यषाला में प्राणीषास्त्र विभाग के समस्त सदस्य उपस्थित रहें एवं कार्यषाला का सफल संचालन डॉ. सीमा दीक्षित द्वारा किया गया।

एमपी स्टार्ट-अप नीति से मध्यप्रदेश बनेगा आत्म-निर्भर : एमएसएमई मंत्री सखलेचा

भोपाल

आत्म-निर्भर भारत एवं आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के उद्देश्यों की पूर्ति के दृष्टिगत मध्यप्रदेश में एमपी स्टार्ट-अप नीति एवं कार्यान्वयन योजना-2022 लागू की गई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 13 मई को इस पॉलिसी का वर्चुअल शुभारंभ करेंगे। मुख्य समारोह इंदौर में होगा। सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने बताया कि एमपी स्टार्ट-अप नीति से मध्यप्रदेश आत्म-निर्भर बनेगा। नवाचार एवं स्टार्ट-अप की गतिशीलता, वैश्विक आर्थिक वातावरण में हो रहे बदलाव तथा विनियामक संशोधन के साथ ही देश की नई शिक्षा नीति के दृष्टिगत मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की सोच अनुरूप नई स्टार्ट-अप पॉलिसी को समग्र समेकित एवं प्रभावी बनाया गया है। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का दूसरा सबसे बड़ा राज्य है और आर्थिक विकास में अग्रणी राज्यों की श्रेणी में भी है। राज्य शासन की निवेश मित्र नीतियों, उद्योग एवं व्यापारिक क्षेत्र में सरलीकरण की प्रक्रिया, आर्थिक एवं सामाजिक अधो-संरचना में विशेष प्रयासों से प्रदेश में निवेश वातावरण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। मंत्री श्री सखलेचा ने बताया कि राज्य शासन का प्रयास रहा है कि नवाचार एवं उद्यमिता के माध्यम से प्रदेश के स्थानीय युवाओं के लिए अधिकाधिक संख्या में रोजगार सृजन किया जा सके। इसी श्रृंखला में स्टार्ट-अप नीति लागू की गई है। राज्य शासन ने नवीन नीति में स्कूल, महाविद्यालयीन स्तर से छात्रों में नवाचार एवं स्टार्ट-अप की भावना जागृत करने के लिए विशेष प्रयास किए हैं। नीति को व्यापक रूप से लागू करने और शासन के विभिन्न प्रावधानों को प्रभावी रूप से अंगीकृत करने के लिए व्यवस्था की गई है। मंत्री श्री सखलेचा ने बताया कि नीति को मात्र वित्तीय सहायता तक सीमित न रख कर स्टार्ट-अप को संस्थागत, ईज ऑफ डूईंग बिजनेस, बुनियादी अधो-संरचना, राज्य की उपार्जन नीति, विपणन तथा अन्य प्रोत्साहन सहयोग प्रदान करना उददेश्य है। नीति का उल्लेखनीय पहलू यह भी है कि इसमें उत्पाद आधारित स्टार्ट-अप को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष वित्तीय एवं गैर-वित्तीय सुविधाओं का समावेश किया गया है।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

मध्य भारत का एक विश्वसनीय दैनिक | 98 26 22 00 22

अर्थव्यवस्था, शिक्षा,
नियोजन, उद्भव,
पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात
आपके साथ

We Are One- Veer
PRESS ITDC ITDC NEWS

खुद को गढ़ने की सीख देता है टैगोर का सृजन प्रणति पर्व में गुरूदेव की विरासत पर संवाद

भोपाल। रवीन्द्रनाथ टैगोर अपने समय को पुकारती एक ऐसी भारतीय आवाज़ थे जो निर्भय और स्वतंत्र जीवन जीने और रचने की सीख देते रहे। उनके कला अनुभव का सार यही था कि कागज़ या केनवास पर कुछ गढ़ने से ज़्यादा महत्वपूर्ण खुद को गढ़ना है।

प्रख्यात शिल्पी और चित्रकार देवीलाल पाटीदार ने ये उद्गार टैगोर विश्व कला एवं संस्कृति केन्द्र द्वारा आयोजित %प्रणति पर्व% में व्यक्त किये। कला समीक्षक विनय उपाध्याय से हुए इस रोचक और ज्ञानवर्धक संवाद में पाटीदार ने %टैगोर की कला के आदर्श% की सहज व्याख्या की। रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्व विद्यालय के %कथा सभागार% में टैगोर जयंती के निमित्त हुए इस आत्मीय प्रसंग में कुलपति प्रो. ब्रह्मप्रकाश

पेठिया और भाषा, कला तथा मानविकी विभाग की डीन डॉ. संगीता जौहरी ने शिक्षा, कला, संस्कृति और साहित्य में रवीन्द्रनाथ के गौरवशाली योगदान की चर्चा की। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी के लिए टैगोर का व्यक्तित्व सार्थक और सफल जीवन जीने की प्रेरणा है। आरंभ में मुदित श्रीवास्तव, श्रेया शर्मा और दृष्टि जैन ने प्रकृति, प्रेम, समरसता और आनंद से जुड़ी टैगोर की कविताओं का भावपूर्ण पाठ किया।

टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के प्रशिक्षु छात्रों ने रवीन्द्रनाथ के नाटक %विसर्जन% के चुनिंदा दृश्यों का मंचन किया। मनोज नायर के निर्देशन में तैयार यह रंग प्रयोग हिंसा के खिलाफ प्रतिरोध का स्वर है। इस बीच रवीन्द्र संगीत की सौंधी मधुर स्वर लहरियों ने समारोह को अनूठी रंगत से भर दिया।

टैगोर की चित्रकृतियों के प्रदर्शन के साथ शुरू हुए कला संवाद में देवीलाल पाटीदार ने कहा कि रवीन्द्रनाथ ने अपने रचनाकर्म में मन और चित्त की दशा पर जोर दिया है। विनय उपाध्याय के सवालों का जवाब देते हुए पाटीदार ने कहा कि आज के शिक्षा संस्थानों को शांति निकेतन की शैली अपनाने की ज़रूरत है। गुरूदेव ने यहाँ मुक्त मन से सृजन करने का अनूकूल परिवेश दिया। उन्होंने कहा कि टैगोर के चित्र अपनी तकनीक और विषय को लेकर आतंकित नहीं करते। वो चित्रकार और रसिक के बीच सहज रिश्ता बनाते हैं।

भेंट-मुलाकात अभियानः कुदरगढ़ में विश्रामगृह, उप स्वास्थ्य केन्द्र और पुलिस चौकी भवन निर्माण की घोषणा

कुदरगढ़ में शीघ्र बनेगा रोप-वे : मुख्यमंत्री बघेल

- शिवनंदनपुर में आईटीआई की घोषणा
- बिहारपुर रोड की होगी गुणवत्ता की जांच, जून तक पूर्ण होगी सड़क
- रक्सगंडा को पर्यटन केन्द्र के रूप में किया जाएगा विकसित
- रगदा (कुसमुसी) गोबरी नाला में पुल निर्माण की घोषणा
- मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कुदरगढ़ में पहाड़ियों के मध्य महुआ पेड़ के नीचे

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कुदरगढ़ में 'भेंट-मुलाकात' अभियान के तहत ग्रामीणों से सीधे चर्चा के दौरान उनके आग्रह पर क्षेत्र में विकास कार्यो और जनसुविधाओं से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं की। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि कुदरगढ़ में माँ बागेश्वरी देवी के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिये शीघ्र रोप वे का निर्माण किया जाएगा। यह कार्य बजट में शामिल है। जल्द ही इसके लिए टेण्डर होगा। मुख्यमंत्री ने कुदरगढ़ में विश्राम गृह निर्माण, उप स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना, पुलिस चौकी के भवन निर्माण, रक्सगंडा को पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित करने, बिहारपुर मार्ग के चौड़ीकरण, रगदा (कुसमुसी) गोबरी नाला में पुल निर्माण, ओडगी-बिहारपुर मार्ग के घटिया निर्माण की जांच कराकर जून तक सड़क का निर्माण पूर्ण कराने और शिवनंदनपुर (विश्रामपुर) में आईटीआई की मंजूरी की घोषणा की। इस अवसर पर नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री डॉ.शिवकुमार डहरिया, संसदीय सचिव श्री पारसनाथ राजवाड़े और अपर मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री बघेल भेंट-मुलाकात अभियान के चौथे दिन भटगांव विधानसभा क्षेत्र के जिला सूरजपुर स्थित ओडगी विकासखण्ड के ग्राम कुदरगढ़ पहुंचे थे। वे कुदरगढ़ की पहाड़ियों के मध्य महुआ पेड़ के नीचे आमजन की समस्याओं से रूबरू हुए। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना के अंतर्गत किसानों को अगली किस्त का भुगतान पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर 21 मई को किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव में उत्पादन केंद्र तो बन जाते हैं लेकिन विक्रय की व्यवस्था नहीं रहती इसलिए हम सी-मार्ट बना रहे हैं, ताकि आपको विक्रय की परेशानी ना हो।

मुख्यमंत्री ने भेंट-मुलाकात कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि वे लोगों से भेंट-मुलाकात के लिए प्रदेश के सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों के दौरे पर निकले हैं। भ्रमण के दौरान वे राज्य सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति जानने स्थानीय शासकीय कार्यालयों का निरीक्षण कर रहे हैं और आम जनता से सीधे फीडबैक ले रहे हैं। राजीव गांधी किसान न्याय योजना, राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना, गोधन न्याय योजना, पेंशन योजनाओं आदि का लाभ हितग्राहियों को मिल रहा है या नही, इसकी जानकारी सीधे आम जनता से प्राप्त कर रहे हैं।

गड़ईपारा के परिवारों को राशन के लिए नही चढ़नी पड़ेगी दुर्गम पहाड़ी

आम जनता से रु-ब-रु चर्चा के दौरान गड़ई पारा निवासी हरीलाल ने बताया कि गड़ई पारा के 25 परिवारों को राशन लेने के लिए 16 किमी पहाड़ चढ़कर कुदरगढ़ आना पड़ता है, जिसमें उन्हें ढाई घंटे का समय लगता है और यदि खराब रास्ते से आते हैं तो 35 किमी का रास्ता तय करना पड़ता है। जिसमें नदी-नाले और खराब रास्ते शामिल हैं। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने उनकी मांग पर उनके गाँव को उनके नजदीक की ग्राम पंचायत छुईडीह से जोड़ने के निर्देश जिला प्रशासन के अधिकारियों को दिए। इससे ग्रामीणो को राशन लेने में सुविधा होगी ।

श्रीमती दिव्या कुशवाहा को मिलेगी चार लाख रूपए की आर्थिक सहायता

इस दौरान आर्थिक रूप से कमजोर श्रीमती दिव्या कुशवाहा ने अपनी व्यथा बताते हुए मुख्यमंत्री को बताया कि उनके पति की आकस्मिक मृत्यु होने से परिवार के भरण पोषण का भार उन पर आ गया है। उन्होंने मुख्यमंत्री से आर्थिक सहायता की मांग की, उन्होंने बताया कि पति की मृत्यु के बाद उनके परिवार में 6 साल के बेटे के अलावा कोई नहीं है, इस पर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल 4 लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की ।

ग्राम पंचायत बभरा, रैसरा और धरसेड़ी को मिला सामुदायिक वन संसाधन अधिकार पट्टा

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने इस अवसर पर राजस्व परिपत्र आरबी 6-4 के प्रावधानों के तहत हितग्राहियों को सहायता राशि के चेक, 13 हितग्राहियों को नवीन राशन कार्ड तथा ग्राम पंचायत बभरा, रैसरा और धरसेड़ी को सामुदायिक वन संसाधन अधिकार पट्टा का वितरण किया। मुख्यमंत्री ने राजीव गांधी मितान क्लब कुदरगढ़ को 25 हजार रुपये का चेक सौंपा। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों की मांग पर गिरजापुर सिंचाई बांध के वेस्टवियर के मरम्मत करने के निर्देश दिए। सूरजपुर में अशासकीय विद्यालयों में शिक्षा का अधिकार (आरटीई) की राशि प्राप्त न होने की जानकारी मिलने पर मुख्यमंत्री श्री बघेल ने अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम स्थल में मुख्यमंत्री श्री बघेल से मिलने व्हील चेयर में आए दुर्घटना में घायल श्री आदेश यादव ने मुलाकात कर इलाज की गुहार लगायी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को एमआरआई कराने के निर्देश दिए। चपदा गौठान के स्व सहायता समूह की श्रीमती जयकुंवर ने बताया कि वह वर्ष 2020 से गौठान में काम कर रही हैं। उन्हें गत वर्ष वर्मी खाद बेच कर 36 हजार 750 रुपए की आमदनी प्राप्त हुई। मुख्यमंत्री ने उनकी सराहना की।

क्षेत्रवासियों की दी 2.44 करोड़ रूपए के विकास कार्यो की सौगात

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कुदरगढ़ में लगभग 2 करोड़ 44 लाख रूपए की लागत के विभिन्न कार्यो का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। श्री बघेल ने 74 लाख रुपये की लागत का नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र धरसेड़ी, 28 लाख रूपये की लागत का उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन इन्दरपुर का लोकार्पण, 46.48 लाख रुपये की लागत का मेन रोड हर्रापानी पाण्डोपारा पहुंच मार्ग में केरा छरिया नाला में पुलिया, 46.38 रुपये की लागत का परसिया से रामपुर पहुंच मार्ग बगईहा नाला पर पुलिया, 49.99 रुपये की लागत का बिलासपुर से ईरापारा पहुंच मार्ग में इरानाला पर पुलिया निर्माण कार्य का भूमिपूजन और शिलान्यास किया।

नमामि गंगे अभियान के अंतर्गत दो दिवसीय गंगा दूत प्रशिक्षण हुआ सम्पन्न

गाजीपुर । नेहरू युवा केंद्र युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वधान में नमामि गंगे अभियान के अंतर्गत दो दिवसीय गंगा दूत प्रशिक्षण विकास खंड भदौरा के अरंगी गांव में सम्पन्न हुआस प्रशिक्षण में गंगा दूतों ने स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण एवं लोगों को मां गंगा के प्रति कैसे जागरूक करना है विषयो पर प्रशिक्षण प्राप्त किया एवं गंगा को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया। जिला परियोजना अधिकारी बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि मां गंगा हमेशा हम सभी को देती हैं हमसे कुछ लेती नही है यह भारत की जीवन रेखा है बहुत सारे लोग इससे अपना जीवन यापन करते हैं आज आवश्यकता है इसे प्रदूषण मुक्त बनाने का इसके लिए युवाओं को आगे आ कर जन जन को जागरूक करना होगा। प्रमुख समाज सेवी उमेश श्रीवास्तव ने कहा कि सरकार के साथ साथ हम सभी को गंगा को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए संकल्पित होना होगा तभी नमामि गंगे अभियान का उद्देश्य सार्थक होगा। सभी प्रतिभागियो को प्रमाण पत्र वितरित किया गया सइस अवसर पर संतोष यादव, राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक साहिल गुप्ता, सफीक खान आदि लोग उपस्थित थे।

प्रतापपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में नवनिर्मित कोविड वार्ड का किया लोकार्पण

रायपुर। प्रतापपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में नवनिर्मित कोविड वार्ड का किया लोकार्पणमुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल आज अपने भेंट-मुलाकात अभियान के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र प्रतापपुर पहुंचे । उन्होंने स्वास्थ्य केन्द्र में 32 लाख रुपये की लागत से बने 20 बिस्तरीय नवनिर्मित कोविड वार्ड का लोकार्पण किया।

श्री बघेल ने वार्ड में कोविड मरीजों के इलाज के लिए उपलब्ध सभी मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया, साथ ही वहाँ उपस्थित मरीजों से मुलाकात कर स्वास्थ्य केन्द्र में मिलने वाली चिकित्सकीय सुविधाओं की भी जनकारी ली। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि इस वार्ड में सामान्य बीमारी के मरीजों को भी भर्ती कर इलाज किया जा सकेगा । इस अवसर पर नगरीय प्रशासन एवँ विकास मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम एवँ अधिकारी-कर्मचारीगण भी उपस्थित थे ।

चल हट कोनो देख लिही छत्तीसगढ़ी फिल्म रिलीज होने के लिए तैयार

रायपुर। छालीवुड के स्थापित कलाकार दिलेश साहू किसी नाम के मोहताज नहीं है , छत्तीसगढ़ निर्माताओं और निर्देशकों की पहली पसंद बन चुके दिलेश साहू को छत्तीसगढ़ी फिल्मों के दर्शक दिनेश को हर किरदार में पसंद कर रहे हैं , चाहे वह एक्शन , लवर बॉय , या एंग्रीयंग मैन का रोल है । छत्तीसगढ़ के दिग्गज निर्माता निर्देशक सतीश जैन की नई फिल्म चल हट कोनो देख लिही इसी माह के 13 मई को स्थानीय श्याम टॉकीज सहित प्रदेश की टॉकीज में रिलीज होने जा रही है । जिसके मुख्य किरदार में दिलेश साहू और उनके ऑपोजिट कलाकार के रूप में अनीकृति चौहान है । अनिकृति चौहान भी किसी पहचान की मोहताज नहीं है वह पहले भी कई छत्तीसगढ़ी फिल्में कर चुकी है । फिल्म रिलीज होने से पहले मीडिया से रूबरू होते हुए अभिनेता दिलेश साहू ने कहा फिर चल हट कोनो देख ली पूरी तरह से पैसा वसूल फ़िल्म है जिसे सभी को देखना चाहिए क्योंकि यह फिल्म सभी जनरेशन के लिए बनाई गई है । दिलेश ने बताया कि यह फिल्म मेरे सपने पूरा करता है और वह सपना सतीश जैन जैसे डायरेक्टर के साथ काम करने का था जिनसे मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला।

दिलेश ने बताया कि फिल्म में 8 गाने हैं जिसकी शूटिंग मैनपाट के शानदार लोकेशन और नया रायपुर में हुआ है । एन.माही मोहित साहू के प्रोडक्शन की फिल्म मोर जोड़ीदार से अपनी करियर का शुरुआत करने वाले दिलेश साहू थिएटर आर्टिस्ट भी हैं । वे कहते हैं कि कलाकार को रिस्क लेने आना चाहिए और यह रिस्क मैं लेना चाहता हूं मुझे अभी भी चैलेंजिंग रोल का इंतजार है फिलहाल दिलेश साहू 13 मई को रिलीज होने वाली अपनी फिल्म चल हट कोनो देख लिही को लेकर काफी उत्साहित है।

कलेक्टर ने लिया त्वरित संज्ञान

मरीज को परिजनों द्वारा चिकित्सालय से बाहर ले जाने के मामले पर ड्यूटी चिकित्सक को कारण बताओ नोटिस जारी

कोरिया। मरीज को परिजनों द्वारा चिकित्सालय से बाहर ले जाने के मामले पर त्वरित संज्ञान लेते हुए कलेक्टर श्री कुलदीप शर्मा के निर्देश पर सिविल सर्जन द्वारा इस दौरान निर्धारित ड्यूटी चिकित्सक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है और जिला चिकित्सालय में मरीज को भर्ती कर समस्त चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराते हुए इलाज किया जा रहा है। सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक ने बताया कि बीते दिवस हुई इस घटना की जानकारी मिलते ही तत्काल मरीज कन्हैया लाल को कल ही जिला चिकित्सालय में भर्ती कर लिया गया और इलाज शुरू कर दिया गया। मरीज के इलाज की जानकारी परिजनों की दी गयी है। मरीज का इलाज किया जा रहा है जिससे परिजनों को भी सहूलियत हुई है। उल्लेखनीय है कि घटना की जानकारी मिलते ही कलेक्टर ने तुरंत संज्ञान लेते हुए मामले की जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने सिविल सर्जन को निर्देश दिए। इस संबंध में सिविल सर्जन द्वारा इस दौरान आपातकालीन चिकित्सा ड्यूटी हेतु निर्धारित मेडिकल ऑफिसर डॉ वासिक असदक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है और नोटिस में 24 घण्टे के भीतर जवाब प्रस्तुत करने कहा गया है।

जिला चिकित्सालय में मरीज को समस्त चिकित्सकीय सुविधा देते हुए इलाज जारी

जन समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु सम्पूर्ण समाधान दिवस

गाजीपुर । जन समस्याओ के त्वरित निस्तारण हेतु सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील सैदपुर में जिलाधिकारी एम पी सिंह की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक रामबदन सिंह की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। जिसमे 230 शिकायत/प्रार्थना प्राप्त हुए और मौके पर 06 का निस्तारण किया गया। जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु सातों तहसीलो की सूचना के अनुसार सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 965 शिकायत/प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें मौके पर 37 शिकायत/प्रार्थना पत्रो का निस्तारण किया गया। तहसील सदर में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 157 शिकायत/प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें 11 का मौके पर निस्तारण किया। तहसील सेवराई में उपजिलाधिकरी अध्यक्षता में 82 शिकायत/प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें से 04 का मौके पर निस्तारण किया गया। जखानियाँ तहसील में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 140 शिकायत/प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें मौके 04 का निस्तारण किया गया। तहसील कासिमाबाद में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 116 शिकायत/प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें से 04 का मौके पर निस्तारण किया गया। तहसील जमानियाँ में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 79 शिकायत/प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें से मौके पर 02 का निस्तारण किया गया एवं तहसील मुहम्मदाबाद में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 161 शिकायत/प्रार्थना प्राप्त 06 का मौके पर निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायत/प्रार्थना पत्रो का सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये कि तत्काल मौके पर जाकर स्थलीय निरीक्षण करते हुए निस्तारण कराये। उन्होने आई जी आर एस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतो को आगामी दो दिवस में शत-प्रतिशत निस्तारण का निर्देश दिया । उन्होने कहा इसकी समीक्षा सीधे शासन स्तर से होती है। इसमे लापरवाही पर सम्बन्धित अधिकारी स्वयं जिम्मेदार होगे। इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्साधिकारी गाजीपुर, परियोजना निदेशक, डी.एफ.ओ., उपजिलाधिकारी सैदपुर, एवं अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

भारतीय जनता पार्टी एवं गोंडवाना गणतंत्र व समाज सेवी उतरे समर्थन में..

फर्जी एफआईआर के तहत जेल में बंद पत्रकारों की निशर्त रिहाई की मांग को लेकर पत्रकारों ने किया जेल भरो आंदोलन

संतोष जायसवाल

पोडी बचरा/कोरिया। शुक्रवार को अंबिकापुर में जेल भरो आंदोलन में पूरे प्रदेश के पत्रकार पहुंचे और जेल भरो आंदोलन में भाग लिया और फर्जी एफआईआर में पत्रकारों को जेलों मे रखें है उन्हें निशर्त रिहा करने की मांगो को लेकर एकदिवसीय धरना प्रदर्शन अंबिकापुर के गांधी चौक में किया गया। जिसमें पूरे प्रदेश के पत्रकार सहित अखिल भारतीय विद्या परिषद मंच एवं भारतीय जनता पार्टी के राज्य सभा सांसद व गोड़वाना गणतंत्र पार्टी के संभागीय अध्यक्ष जय नाथ केराम भी समर्थन दिया और धरना स्थल में इकट्ठा हुए और छत्तीसगढ़ सरकार से अपनी मांगों को रखें जिसमें सरकार के वादो को याद दिलाते हुए निम्न मांगें रखी थी (1)पत्रकार सुरक्षा कानून लागू हो, (2)छत्तीसगढ़ में फर्जी एफ आई आर पत्रकारों पर बंद हो,(3) फिलहाल जो पत्रकार पर फर्जी एफ आई आर के तहत जो जेलों में बंद हैं उन्हें जेल से निशर्त रिहा किया जाए, (4)पत्रकारों का शोषण बंद हो, इस प्रकार इस आंदोलन का जेल भरो आंदोलन नाम रखा गया था और सभी पत्रकार इस जेल भरो आंदोलन में अपना समर्थन दिए और पुलिस अधीक्षक कार्यालय में गिरफ्तारी देने पहुंचे, जिसमें पुलिस प्रशासन ने गिरफ्तार करने से इंकार कर दिया और सीएसपी विवेक शुक्ला ने समझाइस देते हुए कहा कि पत्रकार जितेंद्र जायसवाल के मामले में 15 दिवस का समय मांगा और हर पहलुओं की निष्पक्ष जांच कराते हुए न्याय दिलाने की बात कही जिस पर

पत्रकारों ने सीएसपी की बात मानकर प्रदर्शन समाप्त करने राजी हुए और पत्रकारों ने कहा कि अगर 15 दिवस के भीतर निराकरण होना चाहिए अगर नहीं होता है तो हम फिर उग्र आंदोलन करते हुए विधानसभा तक का घेराव करने मजबूर होंगे।

भाजपा के दिग्गज नेता राज्यसभा सांसद रामविचार नेताम, पत्रकारों के मंच पर पहुंचे और पत्रकारों का खुलकर समर्थन किए, नेता आलोक दुबे, पूर्व सांसद कमलभान सिंह, अखिलेश सोनी, नेता समाजसेवी सीताराम भास्कर, पूर्व जिला पंचायत सदस्य इन्होंने भी खुलकर पत्रकारों का समर्थन किया और पत्रकारों की मांगो को जायज बताया और मांगों पर सरकार को चेताया कि पत्रकारों के साथ दुर्व्यवहार छत्तीसगढ़ सरकार कर रही है वो सही नहीं है भाजपा के कद्दावर नेता रामविचार नेताम ने पत्रकारों का समर्थन करते हुए राज्यसभा संसद में भी आवाज उठाने की बात की और छत्तीसगढ़ के विधानसभा में भी भाजपा के नेता सरकार को घेरने काम करेंगे। और प्रश्न करेंगे कि पत्रकार देश के लोकतंत्र के चौथे स्तंभ है पत्रकारों के साथ जो दुर्व्यवहार हो रहा है वह नहीं होना चाहिए पत्रकारों की सभी जायज मांगों को सरकार को माननी चाहिए जिन्होंने अपने घोषणापत्र में वादा किए थे कि हम पत्रकार सुरक्षा लागू करेंगे सुरक्षा कानून तो लागू किया नहीं उल्टे पत्रकारों पर फर्जी एफ आई आर रोजाना हो रहा है। इसलिए माननीय सीएम भूपेश बघेल जी से प्रदेश के पत्रकार निवेदन कर रहे हैं कि हमारी सभी जायज मांग को पूरा करें और अपनी वादा निभाए7 इस जेल भरो आंदोलन में कोरबा, कोरिया, महाराष्ट्र,गंडई, सूरजपुर, बलरामपुर, बिलासपुर, रायपुर सहित छत्तीसगढ़ के हर जिले से काफी संख्या में पत्रकार पहुंचे थे।

चिकित्सक संवेदनशीलता के साथ मरीजों का बेहतर उपचार करें : कलेक्टर डॉ. सिंह

हरजीत कुमार

मुंगेली। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने कहा कि चिकित्सक जिम्मेदारीपूर्वक संवेदनशीलता के साथ मरीजों का बेहतर उपचार करें। स्वास्थ्य केन्द्र में उपचार के लिए आने वाले मरीजों को किसी भी प्रकार से परेशानी नही होनी चाहिए। कलेक्टर डॉ. सिंह आज जिला अस्पताल स्थित सभाकक्ष में आयोजित चिकित्सकों की बैठक में निर्देशित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिला अस्पताल में आने वाले मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराएं। कलेक्टर ने जिला अस्पताल में मरीजों के उपचार हेतु उपलब्ध उपकरणों की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जिले के आम जनों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना प्राथमिकता का कार्य है। इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने जिला अस्पताल के चिकित्सकों को समय पर ड्यूटी में उपस्थित रहने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने जिला अस्पताल में दवाई की उपलब्धता, पेयजल, बैठने की व्यवस्था आदि की जानकारी ली। इस अवसर पर सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. आनंद मांझी सहित जिला अस्पताल के चिकित्सक उपस्थित थे।

यूक्रेन ने 'अकड़' छोड़ सबकुछ गंवाया

किस प्रकार राष्ट्राध्यक्ष जानबूझकर अपने देश को जलती आग में झोंक कर उसका अहित कर बैठते हैं, इसका सटीक उदाहरण रूस-यूक्रेन युद्ध को ध्यान में रखकर सोचा जा सकता है। दोनों देशों के बीच किस कारण से युद्ध की शुरुआत हुई और आज ढाई महीने बाद क्या स्थिति बन गई है, यह पूरी दुनिया के सामने है। नाटो देशों को रूस के विरुद्ध और यूक्रेन का साथ देने के लिए जिस प्रकार का अभियान अमेरिका ने चलाया, वह अब परवान चढ़ने लगा है। इसी अमेरिकी बहकावे में आकर पोलैंड और बुल्गारिया ने रूस के विरुद्ध अभियान छेड़कर यूक्रेन को युद्ध के लिए हथियारों की सप्लाई करने लगा था। परिणाम स्वरूप रूस ने प्राकृतिक गैस की आपूर्ति बंद कर दी है। चूंकि, इन दोनों देशों का तापमान प्राय: शून्य से नीचे रहता है, इसलिए इस गैस का उपयोग घर और फैक्ट्रियों के तापमान को नियंत्रित और सामान्य बनाए रखने के लिए किया जाता है। इसलिए प्राकृतिक गैस की आपूर्ति बंद होने के कारण अब ऐसी स्थिति पैदा हो गई है कि इन दोनों देशों की फैक्ट्रियों का कामकाज ठप होने के कगार पर है और ठंड से लोगों का जीना दुश्वार हो रहा है। पता नहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने किस सोच के तहत, किस वजह से तथा किसके बहकावे में आकर रूस की सामरिक शक्ति को चुनौती दे दी, यह समझ से परे है। रही बात अमेरिका की, तो अपनी राजनीति करने और विश्व में अपनी शक्ति को साबित करने के लिए वह इसका एहसास सार्वजनिक रूप से कराता रहता है। उसकी शुरू से ही यही नीति रही है। लेकिन, छोटी सी बात पर रूस के विरुद्ध युद्ध में लोहा लेने वाला यूक्रेन भी शायद भूल गया कि ढाई महीने के युद्ध के बावजूद रूस की सामरिक शक्ति में अब भी किसी प्रकार की कोई कमी नहीं आई है, जबकि वह अब संयुक्त सोवियत संघ नहीं रहा है। अब तक सामान्य नागरिक और सैनिक कितने काल के गाल में समा गए हैं, इस पर दोनों देशों की गणना अलग—अलग है। किस देश को जान—माल का कितना नुकसान हुआ है, यह सच भी युद्धोपरांत ही विश्व को पता चल पाएगा। रूस-यूक्रेन के युद्ध दौरान अपनी तीन दिवसीय यात्रा पर गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बर्लिन में प्रेस कॉन्फ्रेंस में जोर देकर कहा कि भारत शांति के पक्ष में है । यूक्रेन संकट के शुरुआत से भारत ने शत्रुता को तत्काल समाप्त करने का आह्वान किया था ।

दरअसल, इन दोनों देशों के बीच इस भयंकर युद्ध का कारण क्या रहा है, इसे जानने की कोशिश करते हैं। फरवरी 2014 में शुरू हुआ यह एक निरंतर और लंबा संघर्ष है, जिसमें मुख्य रूप से एक तरफ रूस और उसकी समर्थक सेनाएं और दूसरी ओर यूक्रेन शामिल हैं। युद्ध क्रीमिया की स्थिति और डोनबास के कुछ हिस्सों पर केंद्रित है, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यूक्रेन के हिस्से के रूप में मान्यता प्राप्त है। रूस और यूक्रेन के बीच तनाव विशेष रूप से वर्ष 2021 से 2022 तक भड़क उठा, जब यह स्पष्ट हो गया कि रूस, यूक्रेन पर सैन्य आक्रमण शुरू करना चाह रहा है। फरवरी 2022 में संकट गहरा गया और रूस को वश में करने के लिए राजनयिक वार्ता विफल हो गई; इसकी परिणति रूस में 22 फरवरी को अलगाववादी नियंत्रित क्षेत्रों में सेना के स्थानांतरण के रूप में हुई। रूस और यूक्रेन की सेना के बीच राजधानी कीव ही नहीं, बल्कि और भी कई बड़े शहरों में कब्जे को लेकर जंग जारी है। यूक्रेन के बड़े शहरों में रूस की सेना लगातार मिसाइल हमले कर रही है। इसी बीच कीव पर कब्जे के लिए रूस ने अतिरिक्त सेना भी भेज दी है। यूक्रेन की राजधानी कीव सहित कई प्रमुख शहरों—कीव, खारकीव, लीव, चेरनीहिव, ओडेसा और मारियुपोल को तबाह कर दिए गए हैं। इन शहरों पर हमलों का क्या असर हुआ है, इसे देखने के बाद ही महसूस किया जा सकता है। इन शहरों की बड़ी—बड़ी इमारतों, सरकारी दफ्तरों को इस तरह तहस—नहस का दिया गया है कि फिर से उसे बसने और बनाने में वर्षों लग जाएंगे।

खुलती जा रही झूठे दावों की पोल

मोदी राज में न्यू इंडिया के धोखे में देश को सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक, हरेक लिहाज से पीछे धकेले जाने की सच्चाई को दबाने-छुपाने और झूठे प्रचार से ढांपने के सारे इंतजाम किए जाने के बावजूद, मोदी राज के झूठे दावों की पोल अब ज्यादा से ज्यादा खुलती जा रही है। और मौजूदा राज की सारी घेरेबंदी के बावजूद, खुद देश में भी धीरे-धीरे इसका असर दिखाई देता नजर आता है। हैरानी की बात यह नहीं है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, जो अपनी अनेक सीमाओं के बावजूद, कोविड-19 वायरस की महामारी से दुनिया की लड़ाई का नेतृत्व कर रहा था, इस महामारी की इंसानी जानों के रूप में सबसे भारी कीमत भारत ने ही चुकाई है। इस विश्व संगठन के आंकड़ों के अनुसार, दुनिया भर में इस महामारी से जो करीब डेढ़ करोड़ जानें गयी हैं, उनमें हरेक तीन में से एक यानी 47 लाख 29 हजार से कुछ ज्यादा मौतें भारत में ही हुई हैं। यह आंकड़ा 1 जनवरी 2020 से दिसंबर 2021 तक यानी भारत में कोविड की दोनों बड़ी लहरों का है। यह आंकड़ा न सिर्फ इस महामारी से मौतों के मामले में भारत की स्थिति दुनिया भर में सबसे बुरी रहने को दिखाता है बल्कि यह भी ध्यान दिलाता है कि कोविड-19 से मौतों के मामले में दस लाख से ऊपर की संख्या वाली रूसी फैडरेशन व इंडोनेशिया और नौ लाख से कुछ ऊपर मौतों वाले अमेरिका से भारत में मौतों का आंकड़ा करीब पांच गुना ज्यादा रहा है। लेकिन, जैसाकि हमने शुरू में ही कहा, इससे शायद ही किसी को हैरानी होगी। लेकिन, इसमें जरूर कुछ हैरानी हो सकती है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन से आखिकार, आधिकारिक रूप से भारत में कोविड-19 की मौतों का अपना अनुमान प्रकाशित कर दिया है और इस अनुमान के प्रकाशन के जरिए प्रकारांतर से यह भी कहा है कि नरेंद्र मोदी की सरकार, कोविड की हरेक दस मौतों में से एक ही दिखा रही थी और पूरी नौ मौतों को छुपा रही थी! याद रहे कि भारत सरकार कोविड-19 की मौतों की कुल संख्या 5.2 लाख ही बताती आई है। खैर! हैरानी इसलिए कि अब यह बात आम जानकारी में आ चुकी है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के कोविड मौतों का अपना अनुमान तैयार करने के क्रम में भारत सरकार से किए गए परामर्श के दौरान, जब यह साफ हो गया कि यह विश्व संगठन कोविड मौतों के मोदी सरकार के आंकड़े को आंख मूंदकर स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है, तभी से वर्तमान सरकार ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के महामारी के नुकसान के आकलन के खिलाफ बाकायदा अभियान छेड़ा हुआ था। इस सिलसिले में चली लंबी रस्साकशी में विश्व स्वास्थ्य संगठन की मौतों के आकलन की पद्धति की वैज्ञानिकता से लेकर विश्वसनीयता तक के सवाल उठाए गए थे।

इनमें भेदभाव का काफी प्रत्यक्ष आरोप भी शामिल था कि अमेरिका आदि की तरह, भारत सरकार द्वारा दिए जा रहे कोविड की मौतों के आंकड़े को बिना सवाल उठाए स्वीकार क्यों नहीं कर लिया जाता! मोदी सरकार की इस मुहिम के बावजूद, जिसमें उसने अपनी सारी कूटनीतिक ताकत झोंक दी थी, विश्व स्वास्थ्य संगठन का भारत में कोविड की मौतों का अपना स्वतंत्र अनुमान प्रकाशित करना, न सिर्फ अपने आप में किसी को हैरान कर सकता है बल्कि सच्चाइयों को छुपाने में मोदी सरकार की सीमाओं की ओर भी इशारा करता है, जिसके निहितार्थ दूर तक जाते हैं। बहरहाल, जैसाकि आसानी से अनुमान लगाया जा सकता था, मोदी सरकार ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के इन आंकड़ों को झुठलाने के लिए न सिर्फ बाकायदा अभियान छेड़ दिया है बल्कि इस विवाद को विश्व स्वास्थ्य संगठन की कार्यकारिणी में उठाने समेत तरह-तरह के कदमों की धमकी भी दी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की उक्त रिपोर्ट से ऐन पहले, 3 मई को विश्व प्रैस स्वतंत्रता दिवस के मौके पर, एक और ऐसी ही रिपोर्ट आई, जो नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा झूठे प्रचार के शोर के पर्दे में छुपाई जा रही, भारतीय जनता की बदहाली की सच्चाई के, बाकी दुनिया द्वारा पहचाने जाने को दिखाती थी। हमारा इशारा, प्रेस की स्वतंत्रता के लिए प्रतिबद्ध पत्रकारों की विश्व संस्था, रिपोर्टर्स विदाउट बार्डर्स द्वारा विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर जारी किए गए, विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक की ओर है। यह सूचकांक दर्शाता है कि मोदी राज में भारत प्रेस की स्वतंत्रता के मामले में, जोकि जनतंत्र की दशा का भी बहुत ही महत्वपूर्ण संकेतक है, दुनिया के कुल 180 देशों में 150वें स्थान पर पहुंच गया है। इतना ही महत्वपूर्ण यह है कि पिछले साल इसी सूचकांक पर भारत, 142वें स्थान पर था यानी कोविड के एक वर्ष में प्रेस की स्वतंत्रता के मामले में भी भारत पूरे 8 अंक नीचे खिसक गया है। यह मोदी के बढ़ती तानाशाही के राज में भारत में प्रेस की स्वतंत्रता में गिरावट लगातार जारी रहने को ही दिखाता है। 2016 में, मोदी राज की शुरूआत में इसी सूचकांक पर भारत 133वें स्थान पर था, जहां से लगातार नीचे ही खिसकता गया है। कहने की जरूरत नहीं है कि प्रेस की स्वतंत्रता के मामले में मोदी राज में भारत के तेजी से नीचे खिसकते जाने में भी शायद ही किसी को हैरानी होगी। मोदी राज में हर तरह से प्रेस की स्वतंत्रता कुचला जाना, कोविड की बेहिसाब मौतों की तरह, सब की देखी-जानी सच्चाई है। वास्तव में मोदी राज ने अपने चौतरफा हमलों से मीडिया की स्वतंत्रता का करीब-करीब गला ही घोंट दिया है और भारत में मीडिया को, सच्चाई को बताने-दिखाने का नहीं बल्कि उसे छुपाने का और इससे भी बढ़कर सच्चाइयों को नकारने के लिए, अपने झूठे आख्यानों के प्रचार का साधन बनाकर रख दिया है। मीडियाकर्मियों से लेकर मीडिया संस्थानों तक को, शासन की विभिन्न एजेंसियों का सहारा लेकर धौंस में लिया जा रहा है और उससे काम नहीं चले तो उन पर झूठी-सच्ची कानूनी कार्रवाइयों की लाठी चलाई जा रही है।

भीषण गर्मी के समय कोयले की कमी से उत्पन्न बिजली संकट

कोयले पर अत्यधिक निर्भरता का एक परिणाम ग्लोबल वार्मिंग के लिए निहितार्थ और उत्सर्जन के लिए घोषित शून्य लक्ष्य प्राप्ति पर दिखाई देगा जिसकी घोषणा हाल ही में ग्लासगो शिखर सम्मेलन में की गई थी। हम सौर ऊर्जा और हाइड्रोजन जैसे नए ऊर्जा स्त्रोतों के आर्थिक रूप से सस्ते और बहुतायत में उपलब्ध होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं उसी समय दुनिया को परमाणु ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि की संभावनाएं तलाशनी पड़ सकती है। भारत में बिजली का बड़े पैमाने पर उत्पादन ताप विद्युत संयंत्रों में कोयले से किया जाता है। यह कोयला खदानों से निकालकर बिजली उत्पादन संयंत्रों तक लाया जाता है। कोयले की ढुलाई अधिकतर रेल और सड़क मार्ग से होती है। भारत में कोयले की कुल वार्षिक मांग 1 बिलियन टन के करीब है और 2030 तक इसके बढ़कर 1.5 बिलियन होने की उम्मीद है। पिछले वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान सरकार के स्वामित्व वाली कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) का घरेलू उत्पादन 622 मिलियन टन था। यह एक रिकॉर्ड था। वास्तव में सीआईएल खानों से भेजे गये कोयले की मात्रा 662 मिलियन टन से भी अधिक थी। कोयले की इस विशाल मात्रा तथा बंदरगाहों से आयातित कोयले को उत्पादन संयंत्रों तक पहुंचाने के कारण रेलवे ढुलाई ने भी नए कीर्तिमान स्थापित किए। खनन नीति में उदारीकरण के कारण सीआईएल उत्पादन के अतिरिक्त अब कोयले का निजी खनन भी होता है तथा नियंत्रित खनन भी होता है जिसका इस्पात और एल्यूमीनियम के उत्पादन में उपयोग होता है। इसके बावजूद देश को इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया तथा दक्षिण अफ्रीका जैसी जगहों से 20 करोड़ टन से अधिक कोयले के आयात पर निर्भर रहना पड़ता है। इन सब प्रयासों के बावजूद कोयले की कमी है जिससे बिजली उत्पादन में कमी हो जाती है। यह सौर बिजली उत्पादन के क्षेत्र में भारत के महती प्रयासों के बाद भी हो रहा है। सौर बिजली की स्थापित क्षमता लक्ष्य से अधिक है लेकिन वास्तविक बिजली उत्पादन कम है क्योंकि सूर्य रात में चमकता नहीं है (यानी समय का पचास प्रतिशत) और दिन के दौरान उत्पादित बिजली को स्टोर करने का कोई तरीका नहीं है ताकि उसका रात में उपयोग किया जा सके। इसके लिए बैटरी भंडारण में भारी वृद्धि की आवश्यकता होती है जो इस समय काफी महंगा है। एक और उम्मीद हाइड्रोजन-आधारित ईंधन कोशिकाओं के माध्यम से की जा सकती है जो सूर्य से उत्पादित ऊर्जा को संग्रहित कर सकता है। यह एक बड़ी तकनीकी उम्मीद है जिस पर रिलायंस जैसी बड़ी कंपनियां बड़े निवेश के साथ दांव लगा रही हैं। जब तक ऐसा नहीं होता तब तक भारत को कोयला आधारित बिजली पर निर्भर रहना पड़ेगा और इसलिए बिजली की कमी का सामना करते रहना पड़ेगा। अक्टूबर में भी बिजली की कमी लगभग 1.2 बिलियन यूनिट थी। यह कमी ज्यादातर बिजली संयंत्रों में कोयले की अनुपलब्धता के कारण है। इसकी वजह या तो कोयला ढुलाई के लिए रेल रेक का उपलब्ध न होना या कोयले का पर्याप्त खनन न होना था । सभी स्त्रोतों को मिलाकर भारत की कुल स्थापित बिजली क्षमता 400 गीगावाट है जिसमें से अकेले कोयले से उत्पादित बिजली का हिस्सा 51 प्रतिशत यानी आधे से अधिक है। सौर या पवन ऊर्जा संयंत्रों के विपरीत एक कोयला संयंत्र दिन के 24 घंटे चल सकता है। भारत ने 2021-22 के दौरान लगभग 1500 बिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन किया लेकिन अक्टूबर 2021 के दौरान लगभग 1.2 बिलियन यूनिट की कमी दर्ज की गई थी क्योंकि सर्दियों के कारण मांग चरम पर थी। यह कमी अब और अधिक गंभीर हो गई है। अप्रैल, 2022 के अंतिम सप्ताह के दौरान बिजली की कमी 2 बिलियन यूनिट से अधिक है। भारत के अधिकांश हिस्सों में अभूतपूर्व गर्मी की लहर के कारण यह कमी आई है क्योंकि भीषण गर्मी के कारण तापमान 43 डिग्री से ऊपर बढ़ गया है। दैनिक आधार पर दैनिक अधिकतम मांग 200 गीगावॉट से अधिक है। यह उच्च मांग अगले दो या तीन महीनों तक बनी रहेगी क्योंकि उत्तर तथा पश्चिम भारत में गर्मियों का मौसम कम से कम जुलाई तक चलेगा। कोयले की कमी इतनी अधिक है कि उत्पादन संयंत्रों में रखा स्टॉक खतरनाक रूप से निम्न स्तर तक पहुंच रहा है। घरेलू और आयातित कोयला आधारित दोनों प्रकार के संयंत्रों में 7 दिनों से भी कम का स्टॉक है। इस संकट को देखते हुए यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोयला समय पर संयंत्रों तक पहुंचे, रेलवे अभूतपूर्व उपाय कर रहा है। रेलवे ने कोयला रेक के लिए रास्ता बनाने तथा खनन क्षेत्रों से बिजली संयंत्रों तक कोयला पहुंचाने के लिए कई यात्री ट्रेनों को रद्द कर दिया है। इसमें मई के अंत तक 21 ट्रेनों के 753 फेरे शामिल हैं। यदि गर्मी की लहर कम नहीं होती है तो इस तरह के और अधिक उपायों की आवश्यकता हो सकती है। यदि बिजली की बढ़ती हुई कमी 2.5 बिलियन यूनिट से अधिक हो जाती है तो बिजली कटौती की घोषणा करनी पड़ेगी। भारत के कुछ हिस्सों में लंबे समय तक बिजली गुल रहने से इंकार नहीं किया जा सकता है। बेशक, महानगरों और बड़े शहरों को बिजली की कटौती के खतरे से बचाने के उपाय किए जाएंगे किन्तु छोटे शहरों और गांवों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। कोयला संकट का मतलब यह भी है कि गैर-बिजली क्षेत्र के उपयोगकर्ताओं, जैसे एल्यूमीनियम और स्टील उत्पादक, कपड़ा तथा कागज उद्योग, स्पंज आयरन एवं कुछ उर्वरक उत्पादन इकाइयों को कोयले से वंचित कर दिया जाएगा जिसकी वजह से उनका उत्पादन प्रभावित हो सकता है। यह एक जटिल अनुकूलन कवायद है जिसमें कोयला परिवहन, रेलवे, रेक और बिजली कटौती योजना शामिल है। यूक्रेन संघर्ष से स्थिति और भी गंभीर हो गई है। यदि यूरोप तथा अमेरिका को रूस से गैस अनुपलब्ध हो जाती है या वे रूस का बहिष्कार करते हैं तो यूरोप व अमेरिका में कोयले की खपत बढ़ जायेगी और वे अधिक कोयला जलाएंगे। ऑस्ट्रेलिया से कोयले की अंतरराष्ट्रीय कीमत आम तौर पर 100 डॉलर प्रति टन है लेकिन यूक्रेन युद्ध के कारण कोयले की कीमतें 440 डॉलर तक बढ़ गई हैं क्योंकि आपूर्ति में कमी की चिंताएं थीं।

यह कमी अब और अधिक गंभीर हो गई है। अप्रैल, 2022 के अंतिम सप्ताह के दौरान बिजली की कमी 2 बिलियन यूनिट से अधिक है। भारत के अधिकांश हिस्सों में अभूतपूर्व गर्मी की लहर के कारण यह कमी आई है क्योंकि भीषण गर्मी के कारण तापमान 43 डिग्री से ऊपर बढ़ गया है।

सिर्फ ढोल बजाया, या कुछ पाया?

नरेंद्र मोदी ने रूस की निंदा से स्वयं को दूर रखा। पत्रकारों तक को सवाल पूछने की मनाही थी, जबकि आमतौर पर साझा प्रेस सम्मेलन में किसी भी शासन प्रमुख से चार प्रश्नों को पूछने की अनुमति होती है। क्या पीएम मोदी कुछ असहज प्रश्नों का उत्तर देने से बचना चाहते थे? आप बुलडोजर से लेकर हनुमान चालीसा की राजनीति करें, और जर्मन पत्रकार उसपर सवाल न पूछें, ऐसा संभव नहीं था। नार्डिक देशों से हमारे संबंध कभी-कभार खटास वाले भी रहे हैं। मीठा तो अब जाकर होने लगा है। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेहटे फ्रेडरिक्शन स्वयं कोपेनहेगन एयरपोर्ट पर जाकर पीएम मोदी की अगवानी करें, तो इसे मीठा कहेंगे। अप्रैल 1987 के कालखंड को याद कीजिए, तो भारत से स्वीडेन का संबंध कड़वा ही था। उस साल 16 अप्रैल को स्वीडिश रेडियो ने 84 लाख डॉलर वाली बोफोर्स दलाली की ख़बर ब्रेक की थी, जिससे भारतीय राजनीति में भूचाल आ गया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी सवालों के घेरे में थे। 5 फरवरी, 2004 को दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा आरोप मुक्त होने के बावजूद, बोफोर्स का भूत दशकों कांग्रेस का पीछा करता रहा। 1987 से मई 2014 तक स्वीडेन से भारत के कूटनीतिक संबंध सहज नहीं हो सके। जनवरी 2012 में नार्वे में एक भारतीय दंपत्ति के बच्चे की कस्टडी को लेकर विवाद गहराया था, जिससे नार्डिक देशों से संबंधों में ख़लिश पैदा हुई थी। फिर एक और घटना 1995 में। उस साल पश्चिम बंगाल के पुरूलिया में डेनिश नागरिक नील्स होक उफ़ र्किम डेवी ने

हथियार गिराये थे। दिसंबर 2016 में उसके प्रत्यर्पण को लेकर भारत ने नोटिस भेजा और मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। नार्डिक-भारत कूटनीति की दिशा उसके बाद से बदलने लगी।

17 अप्रैल, 2018 को स्टॉकहोम में पहला भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन आहूत हुआ। माज्जा में जो कुछ कड़वा था, उसे किया थू-थू, अब मीठा गब-गब खाने के प्रयास आरंभ हुए। उस शिखर सम्मेलन में आर्थिक उन्नति, नवाचार, विश्व सुरक्षा और जलवायु संरक्षण के क्षेत्र में सहयोग के संकल्प किये गये। कोपेनहेगन स्थित भारतीय दूतावास ने जानकारी दी कि 2016 में भारत-डेनमार्क व्यापार 2 अरब 80 करोड़ डॉलर था, जो 78 फीसद बढ़कर 2021 में 3 अरब 60 करोड़ डॉलर पर पहुंच गया। मगर, नार्वे, फिनलैंड, स्वीडेन, और आइसलैंड जैसे चार अन्य नार्डिक देशों से उभयपक्षीय व्यापार की यही गति रही है, ऐसा नहीं लगता। 2018 तक वित्त मंत्रालय की जानिब से जो डेटा उपलब्ध मिले, उसके अनुसार यूरोप के जिन 20 देशों से भारत का व्यापार हो रहा है, उसमें स्वीडेन नौंवे, फिनलैंड 10वें, डेनमार्क 12वें, और नार्वे 14वें स्थान पर दिखे। 2018 तक नार्डिक देशों से कुल जमा 6 अरब डॉलर का व्यापार हुआ है। अब चार वर्षों में %चूहा% कितना मोटा हुआ है, विदेश मंत्रालय को अद्यतन जानकारी देनी चाहिए। 2018 में वित्त मंत्रालय के डाटा बता रहे थे कि 170 स्वीडिश ज्वाइंट वेंचर भारत में कार्यशील हैं। पांच दिन पहले पीएम मोदी की नार्डिक यात्रा के समय जो सूचनाएं दी गईं उसके अनुसार, %फिनलैंड की सौ कंपनियां और उतनी ही नार्वे की कंपनियां भारत में साझा सहकार कर रही हैं। क्या स्वीडेन की 170 कंपनियां 2022 में भी भारत में सक्रिय हैं? कुछ स्पष्ट नहीं हो रहा है। 2022 में जानकारी दी गई कि भारत की 70 कंपनियां नार्डिक देशों में कारोबार कर रही हैं। चार साल पहले इतनी ही भारतीय कंपनियां नार्डिक देशों में थीं। सरकार की तरफ़ से कोई बताए कि नार्डिक देशों से व्यापारिक सहकार विगत चार वर्षों में कितना आगे बढ़ा है? नहीं बढ़ा, तो उसका ठीकरा फोड़ने के लिए कोरोना है। भारत ने 2015 में हुए पैरिस जलवायु सम्मेलन में संकल्प किया था कि 2022 तक अक्षय ऊर्जा की क्षमता 175 गीगावाट तक बढ़ा लेंगे। यही अहद 2018 में पहला भारत-नार्डिक सम्मेलन में पीएम मोदी ने किया था। तब पीएम मोदी ने बताया था कि हम 2022 तक सौर ऊर्जा से 100 गीगा बाइट, पवन ऊर्जा से 60 गीगाबाइट, बायोएनर्जी से 10 गीगाबाइट और स्मॉल हाइड्रो से पांच गीगाबाइट विद्युत पैदा कर लेंगे। मगर, ज़मीन पर क्या स्थिति है, उसकी वास्तविकता नवीन व नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा 12 अगस्त 2021 को जारी रिपोर्ट से स्पष्ट हो जाता है। सरकार ने स्वीकार किया कि हम इस समय तक केवल 100 गीगावाट का लक्ष्य पूरा कर पाये हैं। 2022 तक बाक़ी 75 गीगावाट का लक्ष्य यदि हम प्राप्त कर चुके होते, तो संभवत: बिद्युत संकट को कम करने में इससे मदद मिलती। सौर ऊर्जा के वास्ते 30 नवंबर 2015 को इंटरनेशनल सोलर अलायंस (आईएसए)हुआ था। आईएसए पर हस्ताक्षर करने वाले 75 देशों में भारत भी है। नारा दिया गया, वन सन-वन वर्ल्ड-वन ग्रिड। यह सब नारे, और वेबीनार तक सिमट कर रह गया है।

वैश्वीकरण की प्रासंगिकता

संस्कृत के पद 'वसुधैव कुटुंबकम' की उत्पत्ति कब और कैसे हुई, यह अध्ययन और शोध का विषय हो सकता है, पर यह पद कहीं न कहीं इंगित करता है कि वैश्वीकरण की अवधारणा प्राचीन युग से ही हमारे मनीषियों के मन में थी जो मानते थे कि इस धरा पर रहने वाले लोग एक बड़े परिवार की तरह हैं। आगे चल कर वैश्वीकरण की अवधारणा एक नए रूप में विकसित हुई जो व्यापक आयामों को लिए हुए थी। औपचारिक रूप में वैश्वीकरण ने 1970 के दशक में पांव पसारने शुरू किए थे। इसे अभी लगभग पचास वर्ष हुए हैं। इतिहास में पचास वर्षों का समय कोई अधिक नहीं होता, पर कहा जाने लगा है कि वैश्वीकरण के दिन पूरे हो चुके लगते हैं। इस तर्क में कितना दम है, यह विचार का विषय है। दुनिया के विभिन्न देशों ने वैश्वीकरण को एक औचित्यपूर्ण कदम के रूप में देखा था और इसीलिए इसे अपनाया। इसके मूल में यही अवधारणा रही होगी कि धरती सबकी है और जीना सबको है। वैश्वीकरण को प्रोत्साहित करने का उद्देश्य यह था कि देश अपने संकीर्ण स्वार्थों से ऊपर उठें, उनके बीच पूंजी का प्रवाह सुगम हो, सामाजिक-सांस्कृतिक आदान-प्रदान बढ़े और आर्थिक असमानता कम हो। वैश्वीकरण के जो सकारात्मक प्रभाव हुए हैं, वे भी सबके सामने हैं। महामारी के दौर को छोड़ दें, तो अंतरराष्ट्रीय पर्यटन लगातार बढ़ा है, 1950 से 2010 के बीच वैश्विक निर्यात तैंतीस गुना हो गया है, शिक्षा और नौकरी के लिए ज्यादा लोग अपने देश से दूसरे देशों का रुख करने लगे हैं। ज्ञान को साझा करना आसान हो गया है। आस्ट्रेलिया में कोई व्यक्ति वहां अपने बैंक को फोन करता है, पर जवाब वास्तव में उसे कोई बंगलुरु दे रहा होता है। साल 2008 में वित्तीय संकट अमेरिका में आया, पर इसका असर कई देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ा। कोरोना का टीका बना कहीं और लगाया किसी और देश में गया। प्रत्येक देश की अपनी मुद्रा पहले से है, पर क्रिप्टोकरंसी की पहुंच उन चंद देशों जहां इस पर प्रतिबंध है, को छोड़ सभी देशों में हो गई है। ये सारे उदाहरण वैश्वीकरण की व्यापकता के परिचायक हैं।

ऐसे करें मंत्रों का जाप

एकाग्रता और मन का संयम मंत्रों के जप के लिए बहुत जरूरी है। माना जाता है कि इनके बिना मंत्रों की शक्ति कम हो जाती है और कामना पूर्ति या लक्ष्य प्राप्ति में उनका प्रभाव नहीं होता है। यहां मंत्र जप से संबंधित 10 जरूरी नियम और तरीके बताए जा रहे हैं, जो गुरु मंत्र हो या किसी भी देव मंत्र और उससे मनचाहे कार्य सिद्ध करने के लिए बहुत जरूरी माने गए हैं

- मंत्रों का पूरा लाभ पाने के लिए जप के दौरान सही मुद्रा या आसन में बैठना भी बहुत जरूरी है। इसके लिए पद्मासन मंत्र जप के लिए श्रेष्ठ होता है। इसके बाद वीरासन और सिद्धासन या वज्रासन को प्रभावी माना जाता है।
- मंत्र जप के लिए सही वक्त भी बहुत जरूरी है। इसके लिए ब्रह्ममूर्हुत यानी तकरीबन 4 से 5 बजे या सूर्योदय से पहले का समय श्रेष्ठ माना जाता है। प्रदोष काल यानी दिन का ढलना और रात्रि के आगमन का समय भी मंत्र जप के लिए उचित माना गया है।
- अगर यह वक्त भी साध न पाएं तो सोने से पहले का समय भी चुना जा सकता है।
- मंत्र जप प्रतिदिन नियत समय पर ही करें।
- एक बार मंत्र जप शुरु करने के बाद बार-बार स्थान न बदलें। एक स्थान नियत कर लें।
- मंत्र जप में तुलसी, रुद्राक्ष, चंदन या स्फटिक की 108 दानों की माला का उपयोग करें। यह प्रभावकारी मानी गई है।
- किसी विशेष जप के संकल्प लेने के बाद निरंतर उसी मंत्र का जप करना चाहिए।

शुभता का प्रतीक है पंचामृत

अक्सर मंदिरों में आपको पुजारी ने चरणामृत या पंचामृत दिया होगा। आप जानते हैं इन दोनों में फर्क क्या है?

अकालमृत्युहरणं सर्वव्याधिविनाशनम। विष्णो पादोदकं पीत्वा पुनर्जन्म न विद्यते।।

अर्थात भगवान विष्णु के चरणों का अमृतरूपी जल सभी तरह के पापों का नाश करने वाला है। यह औषधि के समान है। जो चरणामृत का सेवन करता है उसका पुनर्जन्म नहीं होता है।

ऐसे बनता चरणामृत

तांबे के बर्तन में चरणामृतरूपी जल रखने से उसमें तांबे के औषधीय गुण आ जाते हैं। चरणामृत में तुलसी पत्ता, तिल और दूसरे औषधीय तत्व मिले होते हैं। मंदिर या घर में हमेशा तांबे के लोटे में तुलसी मिला जल रखा ही रहता है।

चरणामृत लेने के बाद सिर पर हाथ ना फेरें

चरणामृत ग्रहण करने के बाद बहुत से लोग सिर पर हाथ फेरते हैं, लेकिन शास्त्रीय मत है कि ऐसा नहीं करना चाहिए। इससे नकारात्मक प्रभाव बढ़ता है। चरणामृत हमेशा दाएं हाथ से लेना चाहिए और श्रद्धाभक्तिपूर्वक मन को शांत रखकर ग्रहण करना चाहिए। इससे चरणामृत अधिक लाभप्रद होता है।

पंचामृत का अर्थ है 'पांच अमृत'। दूध, दही, घी, शहद, शकर को मिलाकर पंचामृत बनाया जाता है। इसी से भगवान का अभिषेक किया जाता है। पांचों प्रकार के मिश्रण से बनने वाला पंचामृत कई रोगों में लाभदायक और मन को शांति प्रदान करने वाला होता है। इसका एक आध्यात्मिक पहलू भी है। वह यह कि पंचामृत आत्मोन्नति के 5 प्रतीक हैं। जैसे- दूध- दूध पंचामृत का प्रथम भाग है। यह शुभ्रता का प्रतीक है अर्थात हमारा जीवन दूध की तरह निष्कलंक होना चाहिए।

भूल भुलैय्या है प्राचीन विरुपाक्ष महादेव मंदिर

देशभर में देवों के देव महादेव के अनेक मंदिर हैं, लेकिन मध्यप्रदेश के रतलाम जिले में विरुपाक्ष महादेव का मंदिर अपनी रोचक दास्तान के साथ इतिहासकारों के लिए लंबे समय से चर्चा का विषय बना हुआ है। यह मंदिर गुर्जर चालुक्य शैली (परमार कला के समकालीन) का मनमोहक उदाहरण है। वहां के स्तम्भ व शिल्प सौंदर्य इस काल के चरमोत्कर्ष को दर्शाते हैं। वर्तमान मंदिर से गुजरात के चालुक्य नरेश सिद्धराज जयसिंह संवत 1196 का शिलालेख प्राप्त हुआ है। इससे ज्ञात होता है कि महाराजा सिद्धराज जयसिंह ने इस मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया था। रतलाम से 17 किमी दूर एक छोटे से शहर बिलपांक में प्राचीन विरुपाक्ष महादेव मंदिर है, जो एक वर्ल्ड हेरिटेज साइट है। कहा जाता है कि इसके गर्भगृह में जो शिवलिंग है उसमें चमत्कारी शक्तियां है। इस मंदिर की मान्यता है कि यहां होने वाले यज्ञ में बनी खीर जो महिलाएं खाती हैं उन्हें संतान प्राप्ति होती है।

मध्य प्रदेश के रतलाम में देश ही नहीं दुनिया का सबसे अनोखा शिव मंदिर है, जिस भूल भुलैय्या वाले शिव मंदिर के नाम से जाना जाता है। प्राचीन शिव मंदिरों के बारे में तो आपने कई किवदंतियां सुनी होंगी लेकिन रतलाम के बिलपांक गांव में एक शिव मंदिर ऐसा भी है जिसे भूल भुलैय्या वाला शिव मंदिर कहा जाता है। जी हां इसका नाम है विरूपाक्ष महादेव मंदिर। इस मंदिर की स्थापना मध्ययुग से पहले, परमार राजाओं ने की थी और भगवान भोले नाथ के ग्यारह रुद्र अवतारों में से पांचवें रूद्र अवतार के नाम पर, इस मंदिर का नाम विरूपाक्ष महादेव मंदिर रखा गया। इस मंदिर के चारों कोनों में चार मंडप भी बनाये गए हैं जिसमें भगवान गणेश, मां पार्वती और भगवान सूर्य की प्रतिमा को स्थापित किया गया है।

64 खंभों पर की गई नक्काशी

इस मंदिर को भूल भुलैय्या वाला शिव मंदिर भी कहा जाता है क्योंकि इस मंदिर में लगे खंभों की एक बार में सही गिनती करना किसी के बस की बात नहीं है। इस मंदिर के सभी 64 खंभों पर की गई नक्काशी देखने योग्य है। इस प्राचीन विरूपाक्ष महादेव मंदिर के अंदर 34 खंभों का एक मंडप है और सभी चारों कोनों पर, खंभों की गिनती 14-14 बनती है जबकि 8 खंभे अंदर गर्भगृह में हैं। ऐसे में एक बार में इन खंभों की सही गिनती करना मुश्किल है। जिसके चलते लोग इस मंदिर को भूल भुलैय्या वाला शिव मंदिर भी कहते हैं।

यहां शिवरात्रि होती है अलग

महाशिवरात्रि के मौके पर हर साल यहां मेला लगता है और भगवान विरूपाक्ष के दर्शन के लिए श्रद्धालु दूर दूर से यहां पहुंचते हैं। मान्यता है कि बाबा भोले नाथ के दर से कोई भी भक्त खाली हाथ नहीं जाता। खास बात यह है कि इस मंदिर में आयोजित हवन के बाद बंटने वाले खीर के प्रसाद से, माँओं की सूनी गोद भी भरती है जिसके लिए दूर दूर से, बड़ी संख्या में महिलाएं विरूपाक्ष महादेव के दर्शन के लिए आती हैं। बीते 64 सालों से हर साल यहां इस महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है जिसमें खीर की प्रसादी के लिए लोग प्रदेश और देश के कोने कोने से आते हैं। गोद भरने पर यहां बच्चों को मिठाईयों से भी तौला जाता है।

नि :संतान दंपति प्रसाद लेने आते हैं यहां

प्रशासन ने रतलाम के समीर बिलपांक का विरूपाक्ष मंदिर भी संरक्षित घोषित किया हुआ है। स्थापत्य कला की दृष्टि से ऊन व उदयेश्वर के शिव मंदिर व इसमें काफी साम्यता है। यहां 520 वर्गमीटर के गर्भगृह में पीतल की चद्दर से आच्छादित 4.14 मीटर परिधि वाली जलाधारी व 90 सेमी ऊंचा शिवलिंग स्थापित है। 64 स्तंभ वाले सभागृह में एक स्तंभ मौर्यकालीन भी है। यहां 75 वर्षों से हर शिवरात्रि पर महारुद्र यज्ञ होता है जिसमें खीर का प्रसाद ग्रहण करने दूर-दूर से बड़ी संख्या में नि :संतान दंपति आते हैं।

इसलिए विशेष है यह मंदिर

मंदिर में 64 खंभे, गर्भगृह, सभा मंडप व चारों और चार सहायक मंदिर हैं। सभा मंडल में नृत्य करती हुईं अप्सराएं वाद्य यंत्रों के साथ हैं। मुख्य मंदिर के आसपास सहायक मंदिर भी मौजूद हैं। पूर्व सहायक मंदिर के उत्तर में हनुमानजी की ध्यानस्थ प्रतिमा, पूर्व दक्षिण में जलाधारी व शिव पिंड, पश्चिम के उत्तर में विष्णु भगवान गरुड़ पर विराजमान हैं। पश्चिम में दांयीं सूंड वाले गणेशजी की प्रतिमा है। मंदिर में शिवरात्रि पर लाखों लोग महादेव के दर्शन के लिए आते हैं।

आदर्श जीवन की प्रणेता हैं भगवती श्री सीता

रामायण ग्रंथ के मुताबिक प्राचीन काल में मिथिलापुरी में सीरध्वज जनक नाम के प्रसिद्ध धर्मात्मा राजा राज्य करते थे। वे शास्त्रों के ज्ञाता, परम वैराग्यवान तथा ब्रह्मज्ञानी थे। एक बार राजा जनक यज्ञ के लिए भूमि जोत रहे थे। भूमि जोतते समय हल का फाल एक घड़े से टकरा गया। राजा ने वह घड़ा बाहर निकलवाया। उससे राजा को अत्यन्त ही रूपवती कन्या की प्राप्ति हुई। राजा ने उस कन्या को भगवान का दिया हुआ प्रसाद माना और उसे पुत्री के रूप में बड़े लाड़ प्यार से पाला। उस कन्या का नाम सीता रखा गया। जनक की पुत्री होने के कारण वह जानकी भी कहलाने लगीं। धीरे धीरे जानकीजी विवाह योग्य हो गयीं। महाराज जनक ने धनुष यज्ञ के माध्यम से उनके स्वयंवर का आयोजन किया। निमंत्रण पाकर देश विदेश के राजा मिथिला में आये। महर्षि विश्वामित्र भी श्रीराम और लक्ष्मण के साथ यज्ञोत्सव देखने के लिए मिथिला में पधारे। राजा जनक को जब उनके आने का समाचार मिला तब वे श्रेष्ठ पुरुषों और ब्राह्मणों को लेकर उसने मिलने के लिए गये। श्रीराम की मनोहारिणी मूर्ति देखकर राजा विशेष रूप से विदेह हो गये। विश्वामित्र जी ने श्रीराम के शौर्य की प्रशंसा करते हुए महाराज जनक से अयोध्या के दशरथनंदन के रूप में उनका परिचय कराया। परिचय पाकर महाराजा जनक को विशेष प्रसन्नता हुई।

पुष्पवाटिका में श्रीराम-सीता का प्रथम परिचय हुआ। दोनों चिरप्रेमी एक दूसरे की मनोहर मूर्ति को अपने हृदय में रखकर वापस लौटे। सीताजी का स्वयंवर आरंभ हुआ। देश विदेश के राजा, ऋषि मुनि, नगरवासी सभी अपने अपने नियत स्थान पर आसीन हुए। श्रीराम और लक्ष्मण भी विश्वामित्र जी के साथ एक ऊंचे आसन पर विराजमान हुए। भाटों ने महाराज जनक के प्रण की घोषणा की। शिवजी के कठोर धनुष ने वहां उपस्थित सभी राजाओं के दर्प को चूर चूर कर दिया। अंत में श्रीरामजी विश्वामित्र की आज्ञा से धनुष के समीप गये। उन्होंने मन ही मन गुरु को प्रणाम करके बड़े ही आराम से धनुष को उठा लिया। एक बिजली सी कौंधी और धनुष दो टुकड़े होकर पृथ्वी पर आ गया। प्रसन्नता के आवेग और सखियों के मंगल गान के साथ सीताजी ने श्रीराम के गले में जयमाला डाली। महाराज दशरथ को जनक का आमंत्रण प्राप्त हुआ। श्रीराम के साथ उनके शेष तीनों भाई भी जनकपुर में विवाहित हुए। बारात विदा हुई तथा पुत्रों और पुत्रवधुओं के साथ महाराजा दशरथ अयोध्या पहुंचे। श्रीराम को राज्याभिषेक के बदले अचानक चौदह वर्ष का वनवास हुआ। सीताजी ने तत्काल अपने कर्तव्य का निश्चय कर लिया। श्रीराम के द्वारा अयोध्या में रहने के आग्रह के बाद भी सीताजी ने सभी सुखों का त्याग कर दिया और वे श्रीराम के साथ वन को चली गयीं। सीताजी वन में हर समय श्रीराम को स्नेह और शक्ति प्रदान करती रहती थीं। वन में रावण के द्वारा सीता हरण करके उन्हें समुद्र के पार लंका ले जाना रामायण में नया मोड़ लाता है। रावण ने सीताजी को विवाह का प्रस्ताव दिया जिसे उन्होंने अस्वीकार कर दिया। हनुमानजी जब सीताजी को खोजते खोजते लंका पहुंचे तो वह उन्हें अशोक वाटिका में कैद मिलीं। उन्होंने सीताजी को प्रणाम कर भगवान श्रीराम का संदेश दिया। इसके बाद सीता माता की कुशलता की जानकारी उन्होंने भगवान तक पहुंचायी जिसके बाद भगवान श्रीराम ने लंका पर चढ़ाई कर रावण और अन्य दुष्टों का वध किया और सीताजी को पुन : प्राप्त किया। लंका प्रवास भगवती सीता के धैर्य की पराकाष्ठा है। भगवती सीताजी के कारण ही जनकपुर वासियों को श्रीराम का दर्शन और लंकावासियों को मोक्ष प्राप्त हुआ।

नॉर्थ कोरिया ने बैलिस्टिक मिसाइल दागी

न्यूक्लियर टेस्ट की आशंका के बीच साल का 15वां परीक्षण, 3 दिन पहले भी दागी थी मिसाइल

सियोल/प्योंगयांग

नॉर्थ कोरिया ने शनिवार को एक बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया है। साउथ कोरिया के जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने बताया कि पूर्वी तट पर सी ऑफ जापान में इस प्रोजेक्टाइल को दागा गया। बीते कई दिनों से नॉर्थ कोरिया की ओर से परमाणु परीक्षण की आशंका जताई जा रही है। परमाणु क्षमता से लैस नॉर्थ कोरिया ने बुधवार को भी बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया था। दागी गई मिसाइल एक सबमरीन लॉन्च्ड बैलिस्टिक मिसाइल है, जो कि शॉर्ट रेंज मिसाइल है। परीक्षण के बाद जापानी डिफेंस मिनिस्ट्री ने अपने कोस्ट गार्ड्स को आगाह किया है। इस साल नॉर्थ कोरिया की ओर से दागा गया यह 15वां हथियार परीक्षण है। अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के बावजूद नॉर्थ कोरिया ने मिसाइल परीक्षण जारी रखे हैं।

यूं सुक योल 10 मई को साउथ कोरिया के अगले राष्ट्रपति के तौर पर शपथ लेंगे। नए परीक्षणों को योल के लिए चेतावनी के तौर पर देखा जा रहा है।

नॉर्थ कोरिया को उसी की भाषा में जवाब देंगे

यूं सुक योल 10 मई को साउथ कोरिया के अगले राष्ट्रपति बनने वाले हैं। योल के प्रेसिडेंट बनने से कुछ ही दिन पहले नॉर्थ कोरिया ने परीक्षण कर अपनी मंशा फिर जाहिर कर दी है। इससे पहले नॉर्थ कोरिया के रवैए को देखते हुए योल पहले ही दोनों देशों के बीच सैन्य समझौते को रद्द करने की चेतावनी दे चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने साफ कर दिया है कि साउथ कोरिया दोबारा न्यूक्लियर टेस्टिंग शुरू करेगा। इसके मायने ये हुए कि नई सरकार नॉर्थ कोरिया को उसी की भाषा में जवाब देने की तैयारी कर रही है।

जापान और साउथ कोरिया को खतरा ज्यादा

इलेक्शन कैंपेन के दौरान योल ने कहा था- नॉर्थ कोरिया के हमले से बचाव के लिए हम पहले उस पर अटैक कर सकते हैं। नॉर्थ कोरिया पहले ही साफ कर चुका है कि वो एटमी प्रोग्राम बंद नहीं करेगा। उसके हथियारों से पूरी दुनिया को खतरा है, लेकिन सबसे ज्यादा मुश्किल जापान और साउथ कोरिया को है। ट्रम्प ने जो स्ट्रैटजी नॉर्थ कोरिया के खिलाफ अपनाई थी, वो ज्यादा बेहतर थी। उस दौर में बातचीत के रास्ते खुले थे, लेकिन अब ऐसा नहीं है। अमेरिका चुप बैठा है और किम उसे भड़काने की कोशिश कर रहा है। इस रणनीति के खतरनाक अंजाम हो सकते हैं। जनवरी में बाइडेन के सत्ता संभालने के पहले ही किम ने मिसाइल टेस्ट करके उन्हें संकेत दे दिए थे।

सुप्रीम कोर्ट में 34 जजों का कोटा पूरा:केंद्र ने दो नए नाम मंजूर किए

5 साल बाद अल्पसंख्यक समुदाय के जज की नियुक्ति

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने शनिवार को सुप्रीम कोर्ट के 2 नए जजों की नियुक्ति पर मुहर लगा दी है। गुवाहाटी हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुधांशु धूलिया और गुजरात हाईकोर्ट के जज जमशेद बी पारदीवाला को जज के तौर पर नियुक्त किया गया है। राष्ट्रपति ने दोनों जजों के नियुक्ति पर साइन भी कर दिया है। 5 मई को चीफ जस्टिस एनवी रमना की अध्यक्षता वाली कोलेजियम ने केंद्र को दोनों जजों के नाम की सिफारिश की थी। दोनों जज अगले हफ्ते नए पद की शपथ लेंगे, जिसके बाद सर्वोच्च अदालत अपनी 34 जजों की क्षमता को पूरा कर लेगा। जस्टिस पारदीवाला सुप्रीम कोर्ट में नियुक्त होने वाले चौथे पारसी होंगे। सुप्रीम कोर्ट में 5 साल बाद किसी अल्पसंख्यक समुदाय के जज की नियुक्ति हुई है। वहीं, जस्टिस धूलिया उत्तराखंड हाई कोर्ट से सुप्रीम कोर्ट पहुंचने वाले दूसरे जज होंगे।

जस्टिस जमशेद बी पारदीवाला
गुजरात हाईकोर्ट

चीफ जस्टिस सुधांशु धूलिया
गुवाहाटी हाईकोर्ट

अगले चीफ जस्टिस होंगे जस्टिस पारदीवाला

जस्टिस पारदीवाला देश के अगले चीफ जस्टिस भी हो सकते हैं। मई 2028 में वो चीफ जस्टिस बनाए जा सकते हैं। उनका कार्यकाल 2 सवा दो साल का होगा। इससे पहले 2017 में अल्पसंख्यक समुदाय से जस्टिस सैयद अब्दुल नजीर की नियुक्ति हुई थी। सीजेआई एनवी रमना, जस्टिस यू यू ललित, जस्टिस ए एम खानविलकर, जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ और जस्टिस एल नागेश्वर राव के कॉलेजियम ने देश के अलग- अलग हाईकोर्ट में 10 नए मुख्य न्यायाधीशों की नियुक्ति की सिफारिश की है। तीन जजों के कॉलेजियम ने अब तक ।ष्ट के जजों के लिए कुल 180 नामों की सिफारिश कर

टाटा स्टील के जमशेदपुर प्लांट में ब्लास्ट:धमाके की आवाज से दहशत; खाली कराया गया परिसर; टाटा प्रबंधन ने कहा- सब नियंत्रण में

झारखंड

झारखंड के पूर्वी सिंहभूम में स्थित टाटा स्टील के जमशेदपुर प्लांट में अचानक आग लग गई। शनिवार की सुबह करीब 10.20 बजे जोरदार ब्लास्ट हुआ, जिससे प्लांट में आग लग गई। कंपनी के कोक प्लांट के बैटरी नंबर 6 में यह हादसा हुआ। इसमें गैस रिसाव होने लगा। घटना के बाद पूरे एरिया में अफरा-तफरी मच गई। इसमें 2 ठेका कर्मचारी जख्मी हुए हैं। ब्लास्ट इतना जोरदार था कि आरएमएम, सिंटर प्लांट वन और टू में भगदड़ मच गई। सारे कर्मचारियों को आपात हालात में बाहर निकाला गया।

इसके बाद कर्मचारियों को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। आसपास के परिसर को खाली करा दिया गया। कंपनी प्रबंधन ने कहा कि कोक प्लांट की बैटरी में विस्फोट हुआ था। फायर टेंडर तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। 2 संविदा कर्मचारियों को मामूली चोटें आईं हैं और एक कर्मचारी ने सीने में दर्द की शिकायत की है, उनकी हालत स्थिर है। वहीं झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने घटना को लेकर कहा कि जमशेदपुर में टाटा स्टील प्लांट में ब्लास्ट होने की खबर मिली है। जिला प्रशासन, टाटा स्टील प्रबंधन के साथ सामंजस्य बनाकर घायलों के त्वरित इलाज हेतु कार्रवाई कर रहा है।

ब्लास्ट के बाद मची भगदड़

ब्लास्ट इतना जोरदार था कि आरएमएम, सिंटर प्लांट वन और टू में भगदड़ मच गई। सारे कर्मचारियों को आपात हालात में बाहर निकाला गया जहां से उनको सुरक्षित स्थान ले जाया गया। पूरी जगह को खाली करा दिया गया। घायल कर्मचारियों को हल्की चोटें आई हैं। उन्हें अस्पताल ले जाया गया है। उसका इलाज टाटा मुख्य अस्पताल में चल रहा है। कंपनी परिसर में विस्फोट की आवाज साकची, काशीडीह, एग्रीको समेत गोलमुरी, बर्मामाइंस और बारीडीह जैसे इलाके में सुनी गई।

कस्टडी में मौत पर 2 पुलिसकर्मी अरेस्ट:चेन्नई में गांजा तस्करी के आरोप में युवक को पकड़कर लाए थे, अगले दिन ही मौत हुई

तमिलनाडु। तमिलनाडु पुलिस ने 25 साल के युवक की पुलिस हिरासत में मौत को लेकर बड़ी कार्रवाई की है। राज्य की क्राइम ब्रांच ने शुक्रवार देर रात चेन्नई के 2 पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया है। बता दें कि विग्नेश नाम के युवक को 18 अप्रैल को गांजा तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के अगले ही दिन पुलिस कस्टडी में उसकी मौत हो गई थी। कस्टोडियल डेथ के मामले में गिरफ्तार किए गए पुलिसकर्मियों का नाम मुनाफ और कांस्टेबल पोनराज है। शुक्रवार को ही हिरासत में लिए गए दोनों पुलिसकर्मियों सहित 9 लोग इन्वेस्टिगेशन के लिए जांच अधिकारियों के सामने पेश हुए थे। दोनों पुलिसकर्मियों पर धारा 302 के तहत केस दर्ज किया गया है। वहीं, पोनराज सहित 3 पुलिसकर्मियों को पहले ही सस्पेंड किया जा चुका है।

शरीर पर 13 घाव के निशान मिले थे:- विग्नेश की मौत के बाद उसके भाई ने पुलिस पर आरोप लगाया था। उसके भाई का कहना था कि उन्हें चुप रहने के लिए पुलिस ने एक लाख रुपए के रिश्वत की पेशकश की थी। यह भी कहा कि पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद भाई का चेहरा तक नहीं देखने दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में विग्नेश के शरीर पर 13 घाव के निशान पाए गए थे। पुलिस के मुताबिक, विग्नेश ने गिरफ्तारी के दौरान पुलिसकर्मियों पर हमले का प्रयास भी किया था। हिरासत में विग्नेश के शरीर पर घाव पाए गए, इसलिए उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक, विग्नेश के सिर और चेहरे पर चोट के निशान पाए गए थे।

न्यूज ब्रीफ

हज 2022 में सेहत, सलामती को सर्वोच्च प्राथमिकता: नकवी

नई दिल्ली। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री एवं राज्य सभा में उपनेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा है कि लोगों की सेहत, सुरक्षा, सलामती को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए महत्वपूर्ण सुधारों के साथ हज 2022 हो रहा है। श्री नकवी ने आज मुंबई स्थित हज हाउस में हज 2022 से सम्बंधित 'खादिम उल हुज्जाज' के दो-दिवसीय प्रशिक्षण कैंप का उद्घाटन करते हुए कहा कि हज की संपूर्ण प्रक्रिया, सऊदी अरब एवं भारत सरकार द्वारा तय किये गए पात्रता, आयु, स्वास्थ्य मानदंडों और अन्य जरूरी दिशानिर्देशों के अनुसार की गई है। कोरोना के कारण पिछले दो वर्षों तक भारतीय, हज यात्रा पर नहीं जा पाए थे। उनकी कोशिश है कि दो वर्षों के बाद भारतीय मुसलमानों की बिना किसी सब्सिडी के हो रही हज यात्रा पर किसी भी तरह का गैर-जरूरी आर्थिक बोझ न पड़े, सऊदी अरब में आवास, ट्रांसपोर्टेशन आदि को सस्ती दरों में लेने की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि हज 2022 की सम्पूर्ण प्रक्रिया के 100 प्रतिशत डिजिटल/ऑनलाइन होने से हज यात्रियों की सेहत, सलामती और पारदर्शी-सुगम-सरल-सुविधाजनक हज यात्रा सुनिश्चित होगी। हज यात्रा के इच्छुक लोगों की चयन प्रक्रिया कोरोना वैक्सीन के दोनों डोज एवं भारत और सऊदी अरब की सरकारों के कोरोना प्रोटोकॉल, दिशानिर्देशों के तहत की गई है। श्री नकवी ने कहा कि भारत से 79 हजार 237 मुसलमान हज 2022 पर जायेंगे। इनमें लगभग 50 प्रतिशत महिलाएं हैं। इनमें 56 हजार 601 हज यात्री, हज कमेटी ऑफ़ इंडिया और 22 हजार 636 हज यात्री, हज ग्रुप ऑर्गनाइजर्स (एचजीओ) के माध्यम से हज 2022 के लिए जायेंगे। एचजीओ की भी संपूर्ण प्रक्रिया पारदर्शी एवं ऑनलाइन कर दी गई है।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर परिवार के 7 लोगों की मौत

तेज रफ्तार कार आगे चल रहे वाहन से टकराई, मां-बाप, दो बेटे; दो बहुओं और पोते ने मौके पर दम तोड़ा

मथुरा

मथुरा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर शनिवार तड़के हुए हादसे में एक परिवार के 7 लोगों की मौत हो गई। 2 की हालत गंभीर है। मृतकों में बुजुर्ग दंपति, उनके दो बेटे, दोनों की पत्नियां और 6 साल का पोता है। बुजुर्ग दंपति का एक बेटा और 3 साल का एक पोता गंभीर घायल है। उनको अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कार में परिवार के 9 लोग सवार थे। हादसे में मृत राजेश और नंदनी की सप्ताहभर पहले 29 अप्रैल को शादी हुई थी। ये सभी हरदोई के संडीला इलाके के रहने वाले थे। अभी नोएडा के सदकपुर इलाके में रह रहे थे। बताया जा रहा है कि ये सभी शादी में शामिल होने के लिए हरदोई आए थे, यहां से वापस जाते समय हादसा हुआ। कार का अगला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त

है। पुलिस को आशंका है कि झपकी आने की वजह से हादसा हुआ है। तेज रफ्तार से चल रही वैगन आर गाड़ी आगे चल रहे वाहन से टकरा गई। पुलिस जब पहुंची तो मौके पर और कोई दूसरा वाहन नहीं था। हादसा नौहझील क्षेत्र में हुआ है। पुलिस ने बताया कि सुबह एक वाहन चालक ने डायल-112 को हादसे की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी को क्षतिग्रस्त कार से निकाला।

दो शादियों में शामिल होने गया था परिवार

मृतक संजय की बहन सविता ने बताया कि 28 अप्रैल को नोएडा से परिवार मथुरा गया था। हरदोई में दो शादियों में लोगों को शामिल होना था। 30 अप्रैल और 2 मई को सकलडीहा के बागलपुर क्षेत्र में दोनों शादियां थीं। इसके बाद शुक्रवार देर रात सभी एक ही कार से नोएडा के लिए निकले थे। मथुरा में हादसे का शिकार हुआ परिवार हरदोई के बहादुरपुर-संडीला का रहने वाला था। पूरा परिवार हरदोई में शादी समारोह में शामिल होने के बाद नोएडा वापस जा रहा था। पुलिस ने बताया कि गाड़ी में राजेश, लल्लू, श्रीगोपाल, संजय, निशा, छुटकी, नंदनी, 6 साल का धीरज और 3 साल का कृष सवार था।

दिल्ली-राजस्थान समेत 4 राज्यों में कल लू का अलर्ट; 44 डिग्री के पार जा सकता है तापमान

नई दिल्ली

देश में पिछले कुछ दिनों में तापमान में गिरावट दर्ज की गई थी। इससे लोगों को भीषण गर्मी से थोड़ी राहत भी मिली, लेकिन अब पारा बढ़ने वाला है। मौसम विभाग का कहना है कि कल यानी रविवार से दिल्ली, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में तापमान फिर 40 डिग्री के पार पहुंच सकता है। इसके साथ ही उत्तर भारत के लोगों को फिर से लू का सामना करना पड़ सकता है। मौसम विभाग का कहना है कि 8 मई से 10 मई तक हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के कई इलाकों में हीट वेव चलने की संभावना है। इसके साथ ही, दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश और दक्षिण पंजाब में भी 9 मई से 10 मई तक लू चलने की संभावना है। दिल्ली में शनिवार सुबह न्यूनतम तापमान 23.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना जताई है। अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। वहीं, 9 मई से 13 मई तक हीट वेव का अलर्ट है। इस दौरान अधिकतम तापमान 43 से 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है।

राजस्थान में पारा 44 के पार जाने की संभावना

मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में पश्चिमी विक्षोभ का असर आज से खत्म हो जाएगा और अगले चार-पांच दिन मौसम पूरी तरह सूखा बना रहेगा। तापमान में अगले 48 घंटों में 2-3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होगी। 8 मई से जोधपुर, बीकानेर, जयपुर व भरतपुर संभाग में अधिकतम तापमान 44 से 45 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज होने से हीट वेव चलने की संभावना है।

उप्र में तीन दिन तक गर्मी का यलो अलर्ट जारी

उत्तर प्रदेश में गर्मी को लेकर अगले 3 दिनों तक यलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को कुछ इलाकों में हल्की बारिश होने की वजह से मौसम सुहाना तो हुआ है, लेकिन उमस बढ़ गई है। इसके अलावा आगरा, मथुरा, बलरामपुर और श्रावस्ती जिले में हल्की बारिश होने का अनुमान है। फिलहाल, प्रदेश के आधा दर्जन शहरों में पारा 40 डिग्री के पार रहने वाला पारा नीचे पहुंच चुका है।

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्तम्भ

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

न्यूज ब्रीफ

एशियन गेम्स 2022

चीन में होने वाले आयोजन के टलने से नेहवाल को मिल सकता है फायदा

नई दिल्ली। चीन में कोरोना के बढ़ते मामलों की वजह से 10 से 25 सितंबर तक होने वाले एशियन गेम्स को अगले साल तक टाल दिया है। ऐसे में बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल को एक और मौका मिल गया है। वहीं, एशियन गेम्स में आखिरी बार प्रतिनिधित्व करने की सोच रहे सानिया मिर्जा और तीरंदाज तरुणदीप राय के लिए मुश्किलें बढ़ गई हैं। आइए, जानते हैं कि एशियन गेम्स को स्थगित करने से भारत के किन खिलाड़ियों और टीमों पर इसका क्या असर पड़ने वाला है।

पिछले एशियन गेम्स की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट को एक और मौका मिल गया है:- 2014 इंचोन एशियन गेम्स में विमेंस सिंगल्स में बैडमिंटन में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली साइना नेहवाल को एशियन गेम्स की डेट बढ़ जाने से एक और मौका मिल गया है। साइना नेहवाल ने ज्यादा अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने की वजह से एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए हुए ट्रायल में हिस्सा नहीं लिया था। अब चूंकि एशियन गेम्स को आगे के लिए टाल दिया गया है, तो साइना के लिए उम्मीदें बढ़ गई हैं। बर्शतें बैडमिंटन फेडरेशन उनके नाम पर विचार करती है। वहीं, सानिया मिर्जा को एशियन गेम्स में भाग लेने के लिए अपने की गई घोषणा पर विचार करना होगा। 35 साल की सानिया पहले ही घोषणा कर चुकी हैं कि इस साल के आखिर के बाद वह खेल से संन्यास ले लेंगी। ऐसे में आखिरी एशियन गेम्स में भाग लेने के सपने को पूरा करने के लिए उन्हें एक साल और खेलना होगा।

परिवार और कोच से विचार करने के बाद लेंगे आगे का फैसला

रॉय ने आगे कहा, %मैंने हाल में अंताल्या में पहली बार वर्ल्डकप में मिश्रित स्पर्धा का गोल्ड मेडल जीता (रिद्धि फोर के साथ मिलकर)। सब कुछ योजना के अनुसार हो रहा था और अब मुझे फिर योजना पर विचार करना होगा। मुझे अपने कोच और परिवार के साथ सलाह मशविरा करके फैसला करना होगा।

बढ़ती उम्र भी कुछ खिलाड़ियों के सामने चुनौती

ट्रैक एवं फील्ड में सीमा पूनिया सहित 4 से 5 खिलाड़ियों को बढ़ती उम्र के चलते कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। जर्काता में डिस्कस थ्रो में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली सीमा पूनिया, 800 मीटर में गोल्ड जीतने वाले मनजीत सिंह, 1500 मीटर में गोल्ड और 4 गुणा 400 मीटर रिले में गोल्ड जीतने वाले एमआर पूवम्मा का बढ़ती उम्र की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। सीमा 38 साल की हैं, जबकि मनजीत 32 साल के हैं। वहीं जॉनसन और पूवम्मा 31 साल के हैं। जॉनसन अगर फिट होते हैं तो हांग्जो खेलों में खेल सकते हैं, लेकिन अगर खेलों का आयोजन 2023 में होता है तो बढ़ती उम्र के कारण सीमा और पूवम्मा के लिए मुश्किल

हिटमैन के 200 छक्के पूरे : मुंबई के दूसरे खिलाड़ी बने; कोहली, गेल और डिविलियर्स के क्लब में हुए

नई दिल्ली

रोहित शर्मा ने मुंबई इंडियंस के लिए अपने 200 छक्के पूरे कर लिए हैं। शुक्रवार को गुजरात टाइटन्स के खिलाफ खेले गए मैच में रोहित ने ये रिकॉर्ड बनाया। हिटमैन ने 28 गेंदों में 43 रन की आतिशी पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 5 चौके और 2 छक्के लगाए। आईपीएल में किसी एक टीम के लिए 200 छक्के लगाने वाले रोहित पांचवें और मुंबई इंडियंस के केवल दूसरे खिलाड़ी बने। उनसे पहले विराट कोहली, एब डिविलियर्स और क्रिस गेल बेंगलुरू के लिए ये रिकॉर्ड बना चुके हैं। वहीं, पोलार्ड ने मुंबई के लिए 257 छक्के लगाए हैं।

अर्धशतक से चूके रोहित

गुजरात के खिलाफ रोहित पहले ही ओवर में बढ़िया लय में नजर आ रहे थे। हिटमैन त्रज्ञ के गेंदबाजों पर कहर बनकर टूटे और पावर प्ले में ही 42 रन बना डाले। उनकी पारी पर ब्रेक राशिद खान ने लगाया। 8वें ओवर में राशिद खान ने मुंबई के कप्तान का विकेट चटकाया। दरअसल, रोहित के खिलाफ LBW की अपील हुई और अंपायर ने Not-Out करार दिया। इसके बाद राशिद ने रिव्यू की मांग की। रिप्ले में नजर आया कि गेंद विकेट को हिट कर रही थी और अंपायर को अपना फैसला बदलना पड़ा।

आखिरी ओवर में जीती मुंबई

टूर्नामेंट के 51वें मैच में मुंबई ने गुजरात को 5 रन से हराया। त्रज्ञ के सामने 178 का टारगेट था, जिसके जवाब में टीम 172/5 का स्कोर ही बना सकी और मैच हार गई। एक समय त्रज्ञ का स्कोर 16 ओवर तक 138/3 था और टीम की जीत के लिए फेवरेट मानी जा रही थी, लेकिन इसके बाद स्ब्रु के बॉलर्स ने दम दिखाया और टाइटन्स को कोई मौका नहीं दिया। मौजूदा टूर्नामेंट में मुंबई की ये 10 मैचों में ये सिर्फ दूसरी जीत है। टीम 8 मैच हार चुकी है। वहीं, त्रज्ञ की 11 मैचों में ये तीसरी हार है। हार्दिक की कप्तानी वाली गुजरात टाइटन्स 8 मैच जीत चुकी है।

भारतीय टीम का वेस्टइंडीज-अमेरिका दौरा

टीम इंडिया 8 लिमिटेड ओवर के मैच खेलने के लिए इंग्लैंड से सीधे वेस्टइंडीज जाएगी; 2 टी-20 मैच अमेरिका में

नई दिल्ली

भारतीय टीम साउथ अफ्रीका के साथ घरेलू सीरीज के बाद जून में इंग्लैंड जाएगी और वहां से जुलाई के दूसरे हफ्ते में सीधे वेस्टइंडीज के लिए रवाना होगी। जहां पर रोहित की अगुआई वाली टीम इंडिया को 8 लिमिटेड ओवर के मैच खेलने हैं। क्रिकेट की वेबसाइट क्रिकबज के मुताबिक भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड के बीच इसको लेकर प्लान तैयार कर लिया गया है। प्रस्तावित पांच टी-20 मैचों के आखिरी दो 2 मैच अमेरिका में खेलना है। अमेरिकी क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड से सहमति मिलने के बाद ही BCCI और CWI जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा करेंगे।

घरेलू सीरीज के बाद इंग्लैंड जाएगी टीम इंडिया

अक्टूबर में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप से पहले टीम इंडिया का बिजी शेड्यूल है। 29 मई को ढ्ढक्कफाइनल खत्म होने के बाद साउथ अफ्रीका की टीम भारत दौरे पर आएगी। उसके बाद टीम को मध्य जून में इंग्लैंड जाना है।

उससे पहले टीम इंडिया आयरलैंड जाएगी, फिर इंग्लैंड दौरे के बाद वेस्टइंडीज दौरे पर जाएगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक टीम इंडिया का इंग्लैंड दौरा 17 जुलाई को समाप्त होगा, जबकि वेस्टइंडीज दौरा 22 जुलाई को शुरू हो जाएगा। एशिया कप 2022 से पहले टीम इंडिया ये आखिरी दौरा होगा। कैरेबियाई दौरे पर टीम इंडिया को तीन वनडे और पांच टी-20 इंटरनेशनल मैच खेलने हैं।

भारत और वेस्टइंडीज के बीच पहला वनडे 22 जुलाई, दूसरा वनडे 24 जुलाई को और तीसरा वनडे 27 जुलाई को खेला जाएगा। टी-20 सीरीज की शुरुआत 29 जुलाई से होगी। यह चार्ल्स लारा स्टेडियम में होगा। दूसरा टी-20 मैच 1 अगस्त को तीसरा 2 अगस्त को सेंट किट्स एंड नेविस के वार्नर पार्क में खेले जाएंगे। उसके बाद टीम फ्लोरिडा जाएगी। वहां पर चौथा मैच 6 अगस्त को और आखिरी मैच 7 अगस्त को होगा। फिर टीम इंडिया एशिया कप 2022 खेलने श्रीलंका जाएगी।

एशियाई खेलों में क्रिकेट की वापसी का इंतज़ार बढ़ा

नई दिल्ली

आठ साल बाद एशियाई खेलों में वापसी कर रहे क्रिकेट को अब कम से कम एक साल और इंतज़ार करना पड़ेगा। चीन में बढ़ते कोरोना के प्रकोप के चलते सितंबर में होने वाले एशियाई खेलों को अगले साल के लिए टाल दिया गया है। 2010 के एशियाई खेलों में पहली बार क्रिकेट खेला गया था। 2014 में श्रीलंकाई टीम ने अफ़ग़ानिस्तान को हराकर पुरुष स्पर्धा का गोल्ड मेडल जीता था, वहीं महिलाओं की स्पर्धा में बांग्लादेश को हराकर पाकिस्तान चैंपियन बनी थी। इसके बाद जब 2018 में एशियाई खेल हुए, तो क्रिकेट फिर से प्रतियोगिता का हिस्सा नहीं था। अब जब 2022 में क्रिकेट की वापसी हो रही थी, तो इस पर कोरोना का साया आ गया। भारत ने अभी तक कभी भी एशियाई खेलों की क्रिकेट स्पर्धा में हिस्सा नहीं लिया है, लेकिन समझा जा रहा था कि वह इस बार पुरुष और महिला दोनों वर्गों में अपनी टीम भेजेगी।

पिछले कुछ दिनों में चीन में कोरोना के मामले बढ़े हैं और शंघाई में तो पिछले हफ़्ते लॉकडाउन लगा दिया गया। 2020 से कोरोना के प्रसार के बाद सिर्फ़ विंटर ओलिंपिक्स, 2022 को छोड़कर चीन में कोई भी बड़ी खेल प्रतियोगिता आयोजित नहीं हो पाई है।

द्रविड़ के फैसले से युवराज सिंह सहमत नहीं

2004 मुल्तान टेस्ट में द्रविड़ ने घोषित कर दी थी पारी, सचिन दोहरे शतक से केवल 6 रन दूर थे

नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान के बीच 2004 में खेले गए मुल्तान टेस्ट को वीरेंद्र सहवाग की 309 रनों की पारी के लिए याद किया जाता है, जहां वह टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक बनाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने। उसी मुकाबले में सचिन तेंदुलकर ने 194 रन बनाए, हालांकि जब मास्टर ब्लास्टर अपने दोहरे शतक तक पहुंचने से छह रन दूर थे, तो स्टैंड-इन कप्तान राहुल द्रविड़ ने प्रशंसकों और क्रिकेट पंडितों को हैरान करते हुए पारी घोषित करने का फैसला किया। 18 साल बाद, भारत के पूर्व बल्लेबाज युवराज सिंह ने अब कहा है कि तेंदुलकर के 200 रन पूरे करने के बाद पारी घोषित की जानी चाहिए थी।

युवराज के आउट होते ही पारी घोषित कर दी गई:- राहुल द्रविड़ ने भारत के स्कोर 675/5 के स्कोर पर घोषित करने का फैसला किया था। युवराज सिंह के 59 रन की पारी खेलकर आउट होने के तुरंत बाद यह घोषणा हुई। युवराज ने बताया कि उन्हें और सचिन को एक संदेश मिला कि हमें तेजी से खेलना था, क्योंकि पारी घोषित की जानी थी। सचिन एक और ओवर में छह रन बना सकते थे। युवराज ने स्पोर्ट्स 18 से कहा कि अगले 2 ओवर पारी घोषित न करने से टीम पर कोई फर्क नहीं पड़ने वाला था। युवी ने आगे कहा, अगर यह तीसरा या चौथा दिन होता, तो आपको टीम को प्राथमिकता देनी होती और जब सचिन 150 पर थे, तब पारी घोषित की जा सकती थी। इस मामले में ओपिनियन का फर्क है।

इंग्लैंड के नए टेस्ट कप्तान स्टोक्स ने तोड़ा रिकॉर्ड

एक ओवर में पांच बड़े शॉट समेत लगाए कुल 17 छक्के

लंदन

इंग्लैंड के नए टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने इस सीज़न में अपने पहले काउंटी मैच में 17 छक्के लगाने का रिकॉर्ड बनाया। डरहम के लिए खेलते हुए स्टोक्स ने 161 रनों की पारी खेली। राष्ट्रीय टीम का कप्तान बनाए जाने के बाद यह प्रथम श्रेणी क्रिकेट में स्टोक्स की पहली पारी थी। उन्होंने वूस्टरशायर के विरुद्ध केवल 126 गेंदों का सामना करते हुए 161 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने एक ओवर में पांच और कुल मिलाकर रिकॉर्ड तोड़ 17 छक्के जड़ दिए।

उन्होंने एक काउंटी मैच में 16 छक्कों के पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा। ऑस्ट्रेलिया के ऐंड्रयू साइमंड्स ने ग्लेमॉर्गन के ख़िलाफ़ 1995 में और ग्रैम नेपियर ने सरी के ख़िलाफ़ 2011 में यह कारनामा किया था।

मात्र 64 गेंदों पर स्टोक्स ने अपना शतक पूरा किया। इस पारी के दौरान

उन्होंने पांचवें विकेट के लिए 220 रन भी जोड़े।

इस 30 वर्षीय हरफ़नमौला खिलाड़ी ने जॉश बेकर के एक ओवर में पांच लगातार छक्कों के साथ किसी डरहम खिलाड़ी द्वारा सबसे तेज़ प्रथम श्रेणी शतक जड़ दिया। इससे पहले यह रिकॉर्ड पॉल कॉलिंगवुड के नाम था जिन्होंने 2005 में 75 गेंदों पर सैकड़ा जड़ा था। लंच के बाद आख़िरकार स्टोक्स को पवेलियन लौटना पड़ा। डरहम ने छह विकेट पर 580 रन बनाने के बाद अपनी पारी घोषित की। स्टोक्स दूसरे दिन की सुबह क्रीज़ पर आए थे और सधी हुई शुरुआत करने के बाद उन्होंने पावर हिटिंग का जलवा बिखेरा। यह दूसरा मौक़ा है जब स्टोक्स ने काउंटी चैंपियनशिप मुक़ाबले में पांच लगातार छक्के लगाए हैं। इससे पहले उन्होंने 2011 में हैंपशायर के विरुद्ध यह कीर्तिमान रचा था।

SUPER
HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा सयुंक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

एलआईसी आईपीओ : खुदरा हिस्से को पूरा अभिदान मिला

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के खुदरा हिस्से को बोली के तीसरे दिन शुक्रवार को पहले ही घंटे में शत-प्रतिशत अभिदान मिल गया। शेयर बाजारों पर शुक्रवार सुबह 11 बजकर 36 मिनट तक के आंकड़ों के मुताबिक खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित 6.9 करोड़ शेयर की श्रेणी में 7.2 करोड़ से अधिक बोलियां मिलीं। इस तरह इस श्रेणी को पूरा अभिदान मिला है। वहीं, पात्र संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) और गैर-संस्थागत खरीदारों वाले हिस्से के लिए अबतक कुछ खास प्रतिक्रिया नहीं मिली है। क्यूआईबी वाले हिस्से को 40 प्रतिशत और गैर-संस्थागत खरीदारों के हिस्से को 50 प्रतिशत अभिदान मिला। वहीं पॉलिसीधारकों वाले हिस्से को तीन गुना से अधिक अभिदान मिला, जबकि कर्मचारियों के लिए आरक्षित हिस्से को करीब ढाई गुना अभिदान प्राप्त हुआ। कुल मिलाकर आईपीओ के 16,20,78,067 निर्गम के लिये 17,98,42,980 बोलियां प्राप्त हुईं। कंपनी का आईपीओ बुधवार को खुदरा और संस्थागत निवेशकों के लिए खुला और यह नौ मई को बंद होगा। सरकार को एलआईसी के आईपीओ से 21,000 करोड़ रुपये जुटने की उम्मीद है। वह एलआईसी में अपनी 3.5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच रही है। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 902 से 949 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। यह आईपीओ बिक्री पेशकश (ओएफएस) के रूप में है और इसके जरिये सरकार 22.13 करोड़ शेयर बेचना चाहती है। कंपनी के शेयर 17 मई को सूचीबद्ध हो सकते हैं।

अमेरिका में दूसरे नवाचार केंद्र से टीसीएस को मिलेगा दम

मुंबई। प्रमुख आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने मार्च तिमाही (वित्त वर्ष 2022 की चौथी तिमाही) के वित्तीय नतीजे जारी करते हुए कहा कि बैंकिंग, वित्तीय सेवा एवं बीमा (बीएफएसआई) इकाई ने 10 अरब डॉलर के पड़ाव को पार कर लिया है। इसमें वित्तीय उत्पाद, सेवा एवं प्लेटफॉर्म से प्राप्त राजस्व शामिल है। उत्तरी अमेरिका में हाल में बतौर चेयरमैन कंपनी की कमान संभालने वाले सुरेश मुथुस्वामी के लिए ध्यान केंद्रित किए जाने वाले इस प्रमुख कारोबार में आगे भी वृद्धि जारी रहेगी। इसे रफ्तार देने के लिए उन्हें कंपनी के नवाचार केंद्रों से मदद मिलेगी। वित्त वर्ष 2022 में टीसीएस के कुल राजस्व में बीएफएसआई कारोबार का योगदान 32.2 फीसदी रहा और यह कंपनी की सबसे बड़ी इकाई है। इसने वित्त वर्ष 2022 में सालाना आधार पर 16.7 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है। कंपनी के कुल राजस्व में उत्तरी अमेरिका का योगदान वित्त वर्ष 2022 में 50.5 फीसदी रहा। इसे हासिल करने के लिए पहला कदम नियुक्तियां है। मुथुस्वामी ने कहा कि कंपनी अमेरिका में खासकर परिसरों से अधिक नियुक्तियां करेगी। वित्त वर्ष 2022 में टीसीएस ने अमेरिका में 7,000 लोगों को काम पर रखा और आगे भी यह आंकड़ा लगभग बराबर रहेगा। मुथुस्वामी ने कहा, %पिछले साल उत्तरी अमेरिका में हमने 7,000 लोगों को नियुक्त किया था और मुझे उम्मीद है कि इस प्रकार का आंकड़ा जारी रहेगा क्योंकि हम जबरदस्त मांग परिदृश्य में हैं। हमने पहले भी कहा है कि अमेरिका में हम आईटी सेवा उद्योग के शीर्ष दो नियोक्ताओं में शामिल हैं। इसलिए भर्ती के मोर्चे पर हम काफी मजबूत स्थिति में हैं।

जोमैटो के सह-संस्थापक 700 करोड़ रु. के ईसॉप्स देंगे दान

बेंगलूरु

दिग्गज फूड टेक कंपनी जोमैटो के सह-संस्थापक और मुख्य कार्याधिकारी (सीईओ) दीपेंद्र गोयल 700 करोड़ रुपये (9 करोड़ डॉलर) के अपने सभी स्टॉक ऑप्शन प्लान (ईसॉप) से प्राप्त धनराशि जोमैटो फ्यूचर फाउंडेशन (जेएफएफ) को दान में देंगे। यह घोषणा गोयल की तरफ से जोमैटो के कर्मचारियों को भेजी गई आंतरिक सूचना में की गई है। गोयल को उनके पिछले प्रदर्शन के आधार पर निवेशकों और बोर्ड ने कंपनी के पिछले साल सूचीबद्ध होने से पहले कुछ ईसॉप्स दिए थे। इन ईसॉप्स में से कुछ को पिछले महीने की एक साल हुआ है क्योंकि इन्हें कानून के मुताबिक कम से कम एक साल रखना जरूरी है।

गोयल ने एक आंतरिक पत्र में कहा, %मैं इन ईसॉप्स से प्राप्त होने वाली पूरी धनराशि (कर कटौती के बाद) जोमैटो फ्यूचर फाउंडेशन को दान में दे रहा हूं।% जोमैटो फ्यूचर फाउंडेशन सभी डिलिवरी पार्टनरों के दो बच्चों तक का शिक्षा का खर्च हर साल 50,000 रुपये प्रति बच्चे तक वहन करेगा। यह लाभ उन्हीं डिलिवरी पार्टनरों को दिया जाएगा, जो कम से कम पांच साल से सेवा दे रहे हैं। गोयल ने कहा कि अगर डिलिवरी पार्टनर जोमैटो में 10 साल पूरे करते हैं तो यह राशि बढ़कर सालाना एक लाख रुपये प्रति बच्चा हो जाएगी। महिला डिलिवरी पार्टनर के लिए 5/10 साल की सेवा सीमा कम होगी। जोमैटो बच्चियों के लिए विशेष कार्यक्रम रखेगी। अगर लड़की 12वीं पास करती है या स्नातक बनती है तो उन के लिए ईनामी राशि शुरू की जाएगी। जेएफएफ प्रतिभावान बच्चों के लिए इन सीमाओं से अलग उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति भी मुहैया कराएगा। यह उन सभी जोमैटो डिलिवरी पार्टनरों के परिवारों को शिक्षा और आजीविका मदद मुहैया कराएगा, जो नौकरी के दौरान दुर्घटना जैसी अनहोनी के शिकार होते हैं, भले ही उनकी सेवा अवधि कितनी भी हो। गोयल ने कहा, %यह महज एक शुरुआत है। हम जरूरत पडने पर फाउंडेशन के दायरे का विस्तार या पुनर्मूल्यांकन करते रहेंगे ताकि इससे हमारे पूरे तंत्र को फायदा मिले। गोयल ने कहा कि जेएफएफ को ज्यादा से ज्यादा लाभ पहुंचाने और शेयरधारकों के हितों की सुरक्षा के लिए वह इन शेयरों को तत्काल नहीं बल्कि अगले कुछ वर्षों में बेचना चाहते हैं। उन्होंने कहा, %पहले साल मैं इस फंड के लिए इन ईसॉप्स में से 10 फीसदी से कम बेचूंगा।% जेएफएफ को जोमैटो के अन्य कर्मचारियों से भी दान के लिए खोला जाएगा। गोयल ने कहा कि कंपनी जेएफएफ के लिए धन जुटाने के अन्य अवसर भी तलाशेगी। वह जेएफएफ के लिए एक स्वतंत्र प्रशासनिक बोर्ड का गठन करेगी।

ईसॉप्स दान देने का कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब जोमैटो ने अपनी 10 मिनट में डिलिवरी की सेवा शुरू की है और यह अपने क्विक कॉमर्स के लिए ब्लिंकइट पर बड़ा दांव लगा रही है। इसके अलावा खाद्य तकनीक और क्विक कॉमर्स कंपनियां डिलिवरी कर्मचारियों के नौकरी छोडने की समस्या से निपटने के लिए कदम उठा रही हैं। पिछले साल जोमैटो की मुख्य प्रतिद्वंद्वी स्विगी और उसके बोर्ड ने एक कार्यक्रम शुरू करने का फैसला लिया था, जिसमें ईसॉप रखने वाले कर्मचारियों को जुलाई 2022 और जुलाई 2023 में दो अलग-अलग बिकवाली आयोजन में हिस्सा लेने की मंजूरी दी जाएगी। कंपनी के मौजूदा मूल्यांकन के आधार पर यह पूरी कवायद 3.5 से 4 करोड़ डॉलर की होने का अनुमान है। टीमलीज के मुताबिक ई-कॉमर्स और गिग अर्थव्यवस्था 2020 में 8 फीसदी और 2021 में 30 फीसदी बढ़ी है। यह वर्ष 2024 तक 111 अरब डॉलर और 2026 तक 200 अरब डॉलर पर पहुंचने का अनुमान है। विश्लेषकों के मुताबिक भारत की गिग अर्थव्यवस्था तिगुनी होने जा रही है। इससे गैर-कृषि क्षेत्र में अगले 3-4 साल में 2.4 करोड़ रोजगार मिलेंगे, जो इस समय 80 लाख ही हैं।

खाना पकाना फिर महंगा

बिहार में सिलेंडर की कीमत 1,100 रुपए से ऊपर

47 दिन में हर दिन 2 रुपए से ज्यादा बढ़े दाम

नई दिल्ली

घरेलू गैस सिलेंडरों के दाम में शनिवार को 50 रुपए का इजाफा हुआ है। इसके बाद दिल्ली में नई कीमत 999.50 रुपए हो गई है। इसके अलावा इस बढ़ोतरी के बाद बिहार में गैस सिलेंडर के दाम 1,100 रुपए के पार निकल गए है। यहां सुपौल में ये 1104.50 रुपए का मिल रहा है। इससे पहले मार्च 2022 में भी सिलेंडर के दाम में 50 रुपए की वृद्धि की गई थी। हालांकि, कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में कोई इजाफा नहीं हुआ है। 1 मई को कॉमर्शियल सिलेंडरों के दाम 102 रुपए बढ़े थे। इसके बाद इनकी कीमत 2,355 रुपए हो गई।

पांच राज्यों के चुनाव खत्म होते ही महंगाई की मार

पांच राज्यों के चुनाव खत्म होने के बाद तेल कंपनियों ने 22 मार्च को घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में 50 रुपए का इजाफा किया था। इससे बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 14.2 किलो का बिना सब्सिडी वाला सिलेंडर 1 हजार रुपए के ऊपर निकल गया था।

1 साल में 190.50 रुपए महंगा हुआ गैस सिलेंडर

दिल्ली में 1 मई 2021 को घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 809 रुपए थी, जो अब 999.50 रुपए पर पहुंच गई है। यानी बीते एक साल में घरेलू गैस सिलेंडर कीमत 130.50 बढ़ी है। वहीं इस पर मिलने वाली सब्सिडी भी खत्म कर दी गई है।

पिछले 8 सालों में गैस सिलेंडर ढ़ाई गुना महंगा हुआ

पिछले 8 सालों में घरेलू गैस सिलेंडर (14.2 किलोग्राम) की कीमत दोगुनी होकर 999.50 रुपए प्रति सिलेंडर हो गई है। 1 मार्च 2014 को 14.2 किलो के घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 410.5 रुपए थी जो अब 999.50 रुपए है।

1 मई को 102 रुपए महंगा किया था कॉमर्शियल सिलेंडर

इससे पहले महीने के पहले दिन यानी 1 मई को 19 किलो वाले कॉमर्शियल LPG सिलेंडर की कीमत 102 रुपए बढ़ाई थी। राजधानी दिल्ली में अब नए सिलेंडर की कीमत 2,355 रुपए है। वहीं इससे पहले कॉमर्शियल सिलेंडरों के दाम 1 अप्रैल को बढ़े थे। तक इसकी कीमत में 250 रुपए का इजाफा किया गया था।

इलेक्ट्रिक स्कूटर आग लगने की वजह

बैटरी सेल, डिजाइन की खामियों से हो रहीं घटनाएं

» ओला और ओकिनावा स्कूटर में लग चुकी है आग

नई दिल्ली

इलेक्ट्रिक व्हीकल्स में आग लगने की घटनाओं पर अब सरकारी समिति की रिपोर्ट सामने आई है जिसमें आग लगने की वजह बताई गई है। इस समिति का गठन पिछले महीने ओकिनावा ऑटोटेक, बूम मोटर, प्योर ईवी, जितेंद्र ईवी और ओला इलेक्ट्रिक के ई-स्कूटर में आग और बैटरी विस्फोट को देखते हुए किया गया था। समिति ने अपनी जांच में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की लगभग सभी बैटरी सेल व डिजाइन में खामियां पाई हैं। इस खामी की वजह से ही इलेक्ट्रिक व्हीकल्स में आग लगने की घटनाएं सामने आई हैं। तेलंगाना में हुए जानलेवा इलेक्ट्रिक व्हीकल में लगी आग की वजह भी बैटरी में समस्या को बताया गया है। इलेक्ट्रिक व्हीकल्स में आग लगने की घटनाओं को देखते हुए एक्स्पर्ट्स अब अपने व्हीकल्स में बैटरी से जुड़े मुद्दों को हल करने के लिए ईवी मैन्युफैक्चरर के साथ इंडिविजुअल रूप से काम करेंगे।

मानव जीवन की सुरक्षा सरकार की पहली प्रायोरिटी

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भी इसपर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि अभी देश में इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग की शुरुआत है और इस तरह की घटनाएं उद्योग में बाधा डाल सकती हैं। सरकार ऐसी कोई लापरवाही नहीं चाहती है क्योंकि हर एक मानव जीवन की सुरक्षा सरकार की पहली प्रायोरिटी है।

कोयले के आयात के लिए राज्यों को मुआवजा दे सरकार : एआईपीईएफ

नई दिल्ली

ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन (एआईपीईएफ) ने कोयले की किल्लत के बीच केंद्र सरकार से इस ईंधन का आयात करने वाले राज्यों को मुआवजा देने का अनुरोध किया है। एआईपीईएफ ने एक बयान में कहा, ''हमने केंद्र सरकार से हर उस राज्य को मुआवजा देने का आग्रह किया है, जिन्हें घरेलू स्तर पर कोयले की कमी के कारण इसके आयात के लिए मजबूर होना पड़ा है।'' एआईपीईएफ के प्रवक्ता वी के गुप्ता ने कहा कि महासंघ ने इस संबंध में केंद्रीय बिजली मंत्री आर के सिंह को पत्र भी लिखा है। गुप्ता ने कहा कि पंजाब और हरियाणा के बिजली उत्पादन संयंत्रों में कोयले की लागत करीब 5,500 रुपये प्रति टन है। उन्होंने कहा कि इंडोनेशिया के कोयले की कीमत करीब 200 डॉलर प्रति टन या करीब 15,000 रुपये प्रति टन है। इसके अलावा, गुजरात में बंदरगाह से पंजाब और हरियाणा के संयंत्रों तक के लिए 3,300 रुपये प्रति टन का परिवहन शुल्क लगता है। गुप्ता ने कहा इस आधार पर घरेलू और आयातित कोयले के बीच न्यूनतम लागत का अंतर लगभग 13,500 रुपये प्रति टन है।

एलटीआई-माइंडट्री का होगा विलय

लार्सन ऐंड टुब्रो (एलऐंडटी) ने अपनी दो सूचीबद्ध आईटी सेवा कंपनियों- एलटीआई और माइंडट्री के विलय की घोषणा की है। एलऐंडटी के प्रबंधन ने कहा कि विलय के बाद बनने वाली कंपनी में बड़े सौदे हासिल करने और बड़ी कंपनियों से मुकाबले की तगड़ी संभावना होगी। यह विलय चालू वित्त वर्ष के आखिर तक पूरा होने के आसार हैं। विलय के बाद बनने वाली कंपनी का नाम बदलकर एलटीआईमाइंडट्री किया जाएगा। एलऐंडटी के समूह चेयरमैन ए एम नाइक ने कहा कि इस विलय से बेहतर समन्वय, परिसंपत्ति मूल्य संभव हो पाएगा और इससे ग्राहकों को ज्यादा लाभ मिलेगा। नाइक ने विलय की घोषणा के लिए संवाददाता सम्मलेन में कहा, %हमारा मानना है कि इस विलय से सभी भागीदारों को फायदा मिलेगा। हमने देखा है कि दोनों कंपनियों का प्रदर्शन अन्य बड़ी कंपनियों से बेहतर रहा है। विलय से बनने वाली कंपनी के पास बड़ी चुनौतियों से निपटने और प्रभावी बनने की योजना पर खरा उतरने के लिए कौशल और संसाधन दोनों होंगे।% यह योजना शेयरधारकों और नियामकीय मंजूरी पर निर्भर करेगी। यह योजना लागू होने पर माइंडट्री के सभी शेयरधारकों को एलटीआई के शेयर दिए जाएंगे। ये माइंडट्री के प्रत्येक 100 शेयरों के लिए एलटीआई के 73 शेयरों के अनुपात में दिए जाएंगे। एलटीआई के जारी नए शेयरों का कारोबार एनएसई और बीएसई पर होगा। इस विलय के बाद लार्सन ऐंड टुब्रो लिमिटेड के पास एलटीआई के पास 68.73 फीसदी शेयर होंगे। शेयर बाजार के आज के कारोबारी सत्र में विलय की खबरों के जोर पकडने से दोनों कंपनियों के शेयरों की कीमतें लुढ़क गईं। दिन के कारोबार के अंत में एलटीआई का शेयर पिछले बंद स्तर के मुकाबले 3.64 फीसदी गिरकर 4,593 रुपये पर बंद हुआ। माइंडट्री का शेयर 3.88 फीसदी फिसलकर 3,374.65 रुपये पर बंद हुआ। समूह ने कहा कि उद्योग में हाल के बदलावों (जैसे बड़े सौदों को तरजीह, संपूर्ण पेशकश को तरजीह) से बड़ी कंपनियों को फायदा मिल रहा है। इसे मद्देनजर रखते हुए दोनों कंपनियों ने फैसला किया है कि दोनों संगठनों की ताकत को एकजुट करने का उचित समय है ताकि ग्राहकों को बेहतर सेवाएं मुहैया कराई जा सकें। नाइक ने कहा कि इस समय दोनों कंपनियां अकेले औसतन करीब 2.5 करोड़ डॉलर के सौदे हासिल करने में सक्षम हैं, लेकिन विलय के बाद बनने वाली कंपनी 10 करोड़ डॉलर या उससे अधिक के सौदे भी हासिल करने में भी सक्षम होगी। नाइक ने कहा, %इस समय दोनों कंपनियां जिन क्षेत्रों को सेवाएं देती हैं, उनमें से ज्यादातर एक-दूसरे से अलग हैं। माइंडट्री की अगुआ टीम जानती है कि वे किन क्षेत्रों में मजबूत हैं और एलटीआई की अगुआ टीम जानती है कि वे किन क्षेत्रों में मजबूत हैं। हालांकि कुछ छोटे-मोटे क्षेत्र में दोनों की मौजूदगी हो सकती है। लेकिन कुल मिलाकर मेरा मानना है कि यह दोनों कंपनियों का मूल्य बढ़ाने की शानदार योजना है। माइंडट्री के वाइस चेयरमैन एस एन सुब्रमण्यन ने कहा, %इस विलय से एक में एक जोड़कर पांच बनाने की महत्त्वाकांक्षा है। इस विलय का मकसद और विचार दोनों कंपनियों के तालमेल का लाभ उठाना है। हमने दोनों कंपनियों में 2026 तककी रणनीतिक योजना बनाई है, जिसे दोनों कंपनियों के बोर्डों ने मंजूरी दे दी है।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलप सेंटर न्यूज के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलेपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91 जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र।
आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, फोन- 0755-42223334, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल होगा।)